Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 193 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 21 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म की बात ना मानो, परंतु धर्म की आड़ में छिपकर पाप मत करो।

You may not follow religion, but don't commits sins in disguise of religion.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

किसानों का दिल्ली कूच फिलहाल टला

पटियाला (आरएनएस)। हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर से किसानों का दिल्ली कूच फिलहाल टाल दिया गया है। किसान मजदूर मोर्चा (गैरराजनीतिक) के संयोजक सरवण सिंह पंधेर ने सोमवार को शंभू बॉर्डर पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। पंधेर ने कहा कि केंद्र सरकार को 14 फरवरी से पहले किसानों के साथ बैठक करनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि यह बैठक चंडीगढ़ की बजाय दिल्ली में होनी चाहिए। इससे पहले सुबह पंधेर ने कहा था कि किसान दिल्ली कूच करेंगे। केंद्र सरकार किसानों में फूट डालने की कोशिश कर रही है। केंद्र ने किसानों को 14 फरवरी को चंडीगढ़ में बातचीत का न्योता दिया था।

कांग्रेस पार्टी दिल्ली की जनता के लिए बेहतर विकल्प : सचिन पायलट

उदयपुर (आरएनएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत का दावा किया है। राजस्थान के उदयपुर में मीडिया से बातचीत में पायलट ने इसकी वजह भी बताई। बोले, ऐसा इसलिए क्योंकि विकास के नाम पर 'आप' ने कुछ नहीं किया। टोंक विधायक सचिन पायलट ने कहा, दिल्ली में विधानसभा चुनाव चल रहा है। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को कई बार मौका दिया लेकिन विकास के नाम पर कुछ नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तारीखों की घोषणा, आदर्श आचार संहिता लागू

नगरीय निकाय चुनाव एक चरण में 11 फरवरी को, पंचायत चुनाव तीन चरणों में 17, 20 और 23 फरवरी को होंगे मतदान

रायपुर (विसं)। वन स्टेट-वन इलेक्शन लागू करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य बन गया है. आज राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान किया, जिसमें एक ही आचार संहिता में छत्तीसगढ़ में पहली बार शहर और गांव दोनों का चुनाव कराने की घोषणा की गई. राज्य निर्वाचन आयोग के प्रमुख अजय सिंह ने सोमवार दोपहर 3 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए चुनाव की तारीखों की जानकारी दी। घोषणा के मुताबिक नगरीय निकाय चुनाव के लिए एक चरण में 11 फरवरी, जबकि पंचायत चुनाव तीन चरणों में 17, 20 और 23 फरवरी 2025 को मतदान होंगे। इस बीच राज्य निर्वाचन आयोग ने छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर नगरपालिका और त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचनों की आदर्श आचरण संहिता लागू रहने की अवधि में गणतंत्र दिवस मनाने को लेकर निर्देश जारी किए हैं।

बता दें कि आयोग ने इस पत्र में यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई है कि सभी शासकीय समारोहों में आचार संहिता का कड़ाई से पालन किया जाए। गणतंत्र दिवस पर

चुनावी चक्र

नामांकन प्रारंभ	22 जनवरी 2025
नामांकन अंतिम	28 जनवरी 2025
नामांकन जाँच	29 जनवरी 2025
नाम वापसी	31 जनवरी 2025
मतदान	11 फरवरी 2025
परिणाम	15 फरवरी 2025

आदर्श आचरण संहिता के पालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश इस प्रकार हैं:राजनीतिक पदाधिकारियों जैसे मुख्यमंत्री, राज्यों के मंत्री/ सांसद/ विधायक आदि समारोह में मुख्य अतिथि की हैसियत से उपस्थित हो सकेंगे, किन्तु शर्त यह है कि वे अपने उद्बोधन में देश की स्वतंत्रता, भारत/छत्तीसगढ़ राज्य की महिमा, शहीदों की उपलब्धियों, देशभक्ति एवं प्रेरणादायी उद्बोधन तक ही सीमित रहेंगे। किसी भी स्थिति में राजनीतिक प्रचार-प्रसार की अनुमति नहीं होगी। उद्बोधन में राज्य की प्रचलित योजनाओं का उल्लेख किया जा सकेगा, किन्तु कोई भी नई घोषणा नहीं की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री/मंत्री/सांसद/विधायक या कोई अन्य राजनीतिक पदाधिकारी अपने गृह जिले या निर्वाचन क्षेत्र को छोड़कर अन्य स्थानों पर शासकीय समारोहों में मुख्य अतिथि/अतिथि के रूप में उपस्थित हो सकेंगे। ऐसे राजनीतिक पदाधिकारी जो किसी निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने का इरादा रखते हैं, वे भी उस निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी समारोह में अतिथि के रूप में शामिल नहीं हो सकेंगे।

गणतंत्र दिवस के अवसर शासन की प्रचलित योजनाओं का झांकियों के रूप में प्रदर्शन किया जा सकेगा। झांकियों में राजनीतिक प्रतिनिधियों के चित्र नहीं लगाए जा सकेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर किसी भी प्रकार की नई घोषणाएं नहीं की जा सकेंगी। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर कोई आपत्ति नहीं है, किन्तु यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इन कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार का राजनीतिक प्रचार-प्रसार न हो। त्रिस्तरीय पंचायतों एवं नगरीय निकायों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि जिनका कार्यकाल शेष है, वे अपने पंचायतों एवं नगरीय निकायों के कार्यालय में ध्वजारोहण कर सकेंगे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित सभी समारोहों में आदर्श आचरण संहिता का कड़ाई से पालन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ में मोदी की एक और गारंटी हुई पूरी

मुख्यमंत्री ने पं. दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ के हर नागरिक तक पहुंचे सुशासन का लाभ, हमारी सरकार का है यही प्रयास : विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में भूमिहीन मजदूरों से किए गए वायदे के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी की एक और गारंटी पूरी हो गई है। हमारे छत्तीसगढ़ में बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर करती है लेकिन ऐसे लोग भी हैं जिनके पास कृषि भूमि भी नहीं है और वे कृषि मजदूरी कर जीविकोपार्जन करते हैं। उन्हें ध्यान में रखते हुए हमने भूमिहीन कृषि मजदूर भाई-बहनों से भी एक वादा किया था। हमने कहा था कि उन्हें 10 हजार रुपये सालाना आर्थिक सहायता देंगे। आज हमने इस वादे को पूरा किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज न्यू सर्किट हाउस स्थित आडिटोरियम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुल 5 लाख 62 हजार 112 हितग्राहियों को इस योजना का लाभ मिलने जा रहा है। इस योजना के तहत पाँच सौ 62 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये हम भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना को शुरू करने के पीछे हमारा उद्देश्य भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के शुद्ध आय में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से संबल प्रदान करना है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भूमिहीन मजदूर हितग्राहियों को 10 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया।

मानहानि मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत

ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर अगले आदेश तक लगी अंतरिम रोक

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। मानहानि मामले में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। शीर्ष अदालत ने ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर अगले आदेश तक अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मामले को रद्द करने की मांग वाली गांधी की याचिका पर झारखंड सरकार और शिकायतकर्ता से भी जवाब मांगा है। वहीं, मानहानि मामले में राहुल गांधी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार और शिकायतकर्ता बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा को नोटिस भेजा है। याचिका में झारखंड हाई कोर्ट के 22 फरवरी 2024 फैसले को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने मानहानि मामले को रद्द करने से इनकार किया था। दरअसल, बीजेपी कार्यकर्ता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। बता दें 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी पर गृह मंत्री अमित शाह को हत्यारा कहने का आरोप है।

मुख्यमंत्री साय ने 103 परिजनों को सौंपें अनुकम्पा नियुक्ति पत्र

विभिन्न नगरीय निकायों में 155 करोड़ 38 लाख रुपए के 813 कार्यों का शिलान्यास

स्वच्छता दीदियों के मानदेय में 800 रूपये की बढ़ोत्तरी

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री साय ने 'नगरीय विकास के सोपान' कार्यक्रम में हम लोग आज 103 पदों पर अनुकंपा नियुक्ति का आदेश पत्र अभी वितरण किए हैं। हमारी सरकार ने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और विभिन्न नगरीय निकायों में अनुकम्पा नियुक्ति के लिए 353 पदों की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न नगरीय निकायों में 155 करोड़ 38 लाख रुपए के 813 कार्यों का शिलान्यास और 15 करोड़ 25 लाख रुपए के 70 कार्यों का लोकार्पण अभी यहां पर हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में स्वच्छता और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करने में स्वच्छता दीदियों का बड़ा योगदान है। इन्हें 7200 रुपये मानदेय दिया जाता है। मुझे यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि स्वच्छता दीदियों के मानदेय में आज 800 रूपये की बढ़ोत्तरी की जा रही है। अब स्वच्छता दीदियों को हर महीने 8 हजार रूपये मानदेय मिलेगा।

स्कूली बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर, हादसे में 2 की मौत, 12 बच्चे घायल, 4 गंभीर

कोंडागांव (विसं)। कोंडागांव में स्कूली बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में दो की मौत हुई है। वाहन चालक और एक शिक्षक की मौत की जानकारी मिल रही है।

कोंडागांव में रात लगभग एक बजे दर्दनाक सड़क हादसे में 50-60 स्कूली बच्चों से भरी बस नेशनल हाईवे 30 पर रायपुर से जगदलपुर जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। हादसा नया बस स्टैंड के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक शिक्षक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। ट्रक चालक को गंभीर चोटें आईं और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अभिभावक ने बताया कि रात लगभग तीन बजे उन्हें हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद वे तुरंत कोंडागांव के लिए रवाना हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र की विधायक और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी जिला अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल लिया और अधिकारियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, घायलों को मोहला मानपुर भेजने की व्यवस्था करने को कहा।

डॉ. आर.के. सिंह सीएमएचओ, ने जानकारी दी कि बस में कुल 60 लोग सवार थे, जिनमें 50 स्कूली बच्चे, 5 शिक्षक, 1 चपरासी, 3 सिविल के बच्चे और 1 ड्राइवर शामिल थे। ये सभी चित्रकूट और तीरथगढ़ से पिकनिक मनाकर मोहला मानपुर लौट रहे थे। अभी जिला अस्पताल में 8 बच्चों का इलाज जारी है, जबकि 4 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है। हादसे में बस चालक और एक शिक्षक की मौत हो चुकी है।

सीएम साय ने घटना पर जताया दुख : कोंडागांव में स्कूली बस और ट्रक के बीच हुई सड़क दुर्घटना में वाहन चालक सहित एक शिक्षक के निधन की खबर अत्यंत दु:खद है। बस में सवार स्कूली बच्चों में कुछ बच्चों के घायल होने की भी खबर है, जिनका इलाज जारी है। जिला प्रशासन को बेहतर चिकित्सकीय व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने व घायल बच्चों के जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं।

उत्तराखंड कैबिनेट ने समान नागरिक संहिता नियमावली को मंजूरी दी

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड कैबिनेट ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के लिए नियमावली को मंजूरी दे दी। सीएम धामी ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने जो वादा किया था उसे पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2022 के विधानसभा चुनाव में जनता के बीच गए थे, तब हमने उनसे वादा किया था कि राज्य में सरकार बनने के बाद हमारा पहला कदम उत्तराखंड में यूसीसी लागू करने का होगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बनने के बाद हम यूसीसी विधेयक लाए। ड्राफ्ट कमेटी ने इसका प्रारूप तैयार किया। इसे विधानसभा में पास किया गया, फिर राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह कानून (एक्ट) बना।

भाजपा रायपुर संभाग की बैठक सम्पन्न

भाजपा कार्यकर्ता मेहनती, परिश्रमी एवं निष्ठावान होते हैं : अजय जम्वाल

रायपुर (विसं)। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय एकात्म परिसर में सोमवार को नगरीय निकाय चुनाव एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर एक आवश्यक बैठक रखी गई। बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी चयन पूरी पारदर्शिता से करती है। इसमें किसी प्रकार का कोई अपना-पराया नहीं किया जाता है। हमें चुनाव में सही प्रत्याशी को उतारना है और उसके लिए काम भी करना है। जिसको भी टिकट मिलेगी सब मिल-जुलकर साथ उसके साथ खड़े होंगे और उसको आगे बढ़ाएंगे। इस चुनाव का जो हमारा नारा रहेगा हम जीतेंगे और यह संकल्प लेकर इसे पूरा करना है। भारतीय जनता पार्टी एक वैचारिक आंदोलन है इसके जो विचार है इसके जो चलने वाले हैं उनके मन में कांसेप्ट क्लीयर रहता है। यह हमारा यह वैचारिक आंदोलन है और इस आंदोलन को लेते हुए हमने आगे बढ़ाना है। देश स्वावलंबी बने, आर्थिक महाशक्ति बने, विश्वगुरु बने और दुनिया की एक महाशक्ति बने।

सैफ अली खान पर हमला करने वाले शहजाद को लेकर हुआ बड़ा खुलासा

मुंबई (आरएनएस)। अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी शहजाद को लेकर नए-नए खुलासे हो रहे हैं। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था। आरोपी के अनुसार वह जिला के साथ ही नेशनल स्तर पर भी कुश्ती लड़ चुका है।

आरोपी शहजाद ने पुलिस को बताया की वो बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था और कम भार वर्ग में कुश्ती खेलता था। आरोपी जिला स्तर और नेशनल चैंपियनशिप में अपना दम खम दिखाता था। कुश्ती का खिलाड़ी होने की वजह से वह सैफ अली खान पर हमला करने में कामयाब रहा। आरोपी शहजाद को लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच ने यह भी बताया कि सैफ पर हमले के बाद उसने 3 से 4 बार अपने कपड़े बदले थे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी लगातार घूम रहा था। वह बांद्रा स्टेशन गया। वहां से दादर,वर्ली, अंधेरी और फिर ठाणे चला गया। क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपी शहजाद पिछले साल सितंबर महीने में मुंबई आया था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी मोहम्मद शहजाद ने सैफ अली खान के घर में घुसने से पहले कई मशहूर हस्तियों के घरों की रेकी की थी। आरोपी रिक्शा चालक से हस्तियों के घरों के बारे में जानकारी लेता था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने रिक्शा चालक से बांद्रा इलाके में रहने वाली हस्तियों के घर के बारे में जानकारी हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

महापौर दावेदारी को लेकर परमजीत जुनेजा ने शीर्ष नेताओं भूपेश-बैज ने चरण दास को सौंपा आवेदन

रायपुर (विश्व परिवार)। निकाय चुनाव की बिगुल बजते ही राजधानी में प्रबल दावेदारों ने अपने अपने स्तर पर अपनी दावेदारी कर रहे हैं। इसी कड़ी में रायपुर उत्तर विधानसभा के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा की धर्मपत्नी परमजीत कौर जुनेजा ने भी दावेदारी ठोंकी है. जिसे लेकर उन्होंने प्रदेश के शीर्ष नेता पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज सहित नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत के समक्ष अपनी आवेदन प्रस्तुत कर दावेदारी पेश की है. ! उन्होंने विश्वास दिलाया कि यदि पार्टी उन्हें टिकट देती हैं तो वे इस बार भी राजधानी में कांग्रेस महापौर बनने मे सफल होंगी। ज्ञात हो कि परमजीत कौर का महिलाओं के बीच अच्छी पकड है।

बाबा भगवान राम ट्रस्ट द्वारा आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में कुल 427 मरीजो का किया गया परीक्षण

जशपुर (विश्व परिवार)। बाबा भगवान राम ट्रस्ट सोगड़ा आश्रम जशपुर द्वारा माध्यमिक शाला अलोरी विकासखंड मनोरा जिला जशपुर में ट्रस्ट द्वारा संचालित किया जा रहे चक्षु अभियान के अंतर्गत नेत्र चिकित्सा शिविर संपन्न हुआ इस शिविर में कुल 427 मरीजो का परीक्षण किया गया जिसमें 251 मरीजों को को नेत्र परीक्षण कर 232 मरीजों को नि:शुल्क पावर वाले चश्मे वितरित किए गए वहीं सामान्य रोगों के 170 मरीज का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां प्रदान की गई शिविर में 20 मोतियाबिंद के भी मरीज पाए गए वहीं लगभग 40 मरीज का शुगर जांच किया गया। शिविर में नेत्र परीक्षण जशपुर के टीपी कुशवाहा एवं श्रीमती सविता मिश्रा द्वारा किया गया वहीं सामान्य रोग की चिकित्सा हेतु जशपुर के वरिष्ठ सर्जन डॉक्टर आरके सिंह उपस्थित थे. शिविर का शुभारंभ प्रातः ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष परम पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी एवं ट्रस्ट के वर्तमान अध्यक्ष परम पूज्यपाद गुरुपद संभव राम के चित्र पर विधिवत पूजन आरती प्रसाद नारियल फोड़कर किया गया तत्पर पश्चात मरीज का प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ जो शाम तक चलता रहा। शिविर में ग्राम अलोरी के आसपास के ग्राम पटिया गुल्लु और ओरेकेला झारगांओआदि से मरीज उपस्थित थे. इस शिविर में ट्रस्ट द्वारा जरूरत मंद जनों के बीच कंबल एवं संकलित वस्त्रो का भी वितरण किया गया।

गणतंत्र दिवस का बधाई संदेश हिंदी में देने की अपील

रायपुर (विश्व परिवार)। तिरंगा वंदन मंच द्वारा पिछले आठ वर्षो से राष्ट्रीय पर्वो पर एक अभियान हमारी आशा-राष्ट्रभाषा चलाया जाता है जिसके अंतर्गत लोगों से अपील की जाती है कि वे राष्ट्रीय पर्वो स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर एक दुसरे को राष्ट्रभाषा हिन्दी में प्रदान करें। मंच के संयोजक मुकेश शाह ने कहा कि हिन्दी देश के वीर शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों ने लंबे संघर्ष के बाद न केवल भारत देश को आज़ाद कराया बल्कि हमारी हिन्दी भाषा को भी गौरव लौटाया। इनके बलिदान व संघर्ष के कारण ही हमारे देश में स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्वो को मनाने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। अब से चंद दिन बाद ही हम भारतवासी गणतंत्र दिवस को धूमधाम से मनाएंगे। चूंकि इस दिन लोग एक दूसरे को बधाई संदेश देते हैं और अब सोशल मीडिया के दौर में प्रत्येक व्यक्ति सैकड़ों लोगों को बधाई संदेश प्रेषित करता है। तिरंगा वंदन मंच के संयोजक मुकेश शाह ने लोगों से अपील की है कि वे महान् क्रान्तिकारियों व राष्ट्रभाषा के सम्मान में आगामी गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर बधाई संदेश हिंदी में प्रदान कर हिंदी भाषा का गौरव बनाए रखें। मंच ने विभिन्न समाजों, सामाजिक – सांस्कृतिक संगठनों, व्यापारिक संगठनों के सदस्यों, स्कूल व कॉलेज के विद्यार्थियों समेत सभी वर्गों से निवेदन किया है कि राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस का बधाई संदेश हिंदी में प्रदान करें।

'कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल' विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

मेहनतकश किसानों को सक्षम बनाने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं कृषि वैज्ञानिको का है महत्वपूर्ण योगदान : रामविचार नेताम

इंदिरा गांधी कृषि वि.वि. के 39 में स्थापना दिवस में शामिल हुए कृषि मंत्री

- छत्तीसगढ़ में किसान हितैषी नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मंत्री श्री नेताम को लाइफ टाइम अचीवमेंट सम्मान
- कृषि एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों और किसान भी सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि मेहनतकश किसानों को सक्षम बनाने में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं कृषि वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसी का परिणाम है कि आज किसान उन्नत कृषि तकनीक का उपयोग कर आत्मनिर्भर बन रहे है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों की उन्नति एवं समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार देश के अन्य राज्यों की तुलना में किसानों को धान का वाजिब मूल्य प्रदान कर उनका सम्मान बढ़ाया है। मंत्री श्री नेताम आज इंदिरा गांधी कृषि विश्वद्यालय के 39वां स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उक्त बाते कही।

इस मौके पर विश्वद्यालय द्वारा मंत्री श्री रामविचार नेताम को राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट योगदान के लिए लॉइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही कृषि एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए कुलपति डॉ. गिरिश चन्देल, किसान श्री नारायण भाई चावड़ा, शिक्षक श्री बी.आर. चन्द्रवशी तथा डॉ. एम.एन श्रीवास्तव भी लॉइफ टाइम अचीमेंट पुरस्कार से सम्मानित हुए। मंत्री श्री नेताम इस अवसर पर "कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सहित देश के किसानों को कृषि और उद्यानिकी क्षेत्र में और कैसे सक्षम बनाया जाए इस दिशा में कृषि वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों को सोचने की जरूरत है हमारी सरकार किसानों को सक्षम बनाने के लिए किसान हित में बहुत से फैसले लिए है। हमारी सरकार ने किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तथा 31 सौ रूपए प्रति क्विंटल के मान धान खरीद कर किसानों को देश में सर्वोच्च कीमत प्रदान कर रही है। वहीं किसानों को किए गये वायदों के मुताबिक लगभग 3800 करोड़ रूपए की बोनस राशि भी प्रदान की गई है। इससे प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हुए है।

इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में देश भर के 21 राज्यों के 400 से अधिक कृषि वैज्ञानिक एवं शोधार्थी शामिल है। सम्मेलन में वैश्विक परिदृष्य में भूमि, जल तथा पर्यावरण के क्षेत्र में विद्यमान अवसरों एवं चुनौतियों पर विचार मंथन कर संसाधनों का बेहतर उपयोग कर इनमें निरंतर होने वाली कमियों को सुधारने के रास्ते तलाशे जाएंगे। सम्मेलन में संबंधित विषयों पर वैज्ञानिकों तथा शोधार्थियों द्वारा शोध पत्र तथा पोस्टर्स प्रस्तुत किया गया।

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर की स्थापना 20 जनवरी 1987 को हुई थी। इस विश्वविद्यालय को छत्तीसगढ़ प्रदेश में कृषि शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रसार की जिम्मेदारी दी गई है, जिसे विश्वविद्यालय अपने 28 कृषि महाविद्यालय, 4 कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, 1 खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, 08 अनुसंधान केन्द्र एवं 27 कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से संचालित कर रहा है। विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में वर्तमान में लगभग 9000 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें स्नातक पाठ्यक्रमों में 2763, स्नात्तकोत्तर पाठ्यक्रमों में 500 तथा शोध पाठ्यक्रमों (पी.एच.डी.) में 115 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहें हैं। विश्वविद्यालय की स्थापना के पश्चात् 52 फसलों की लगभग 162 प्रजातियों का विकास किया गया है एवं कृषि से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए 100 से अधिक तकनीकें विकसित की गई हैं।

22 कर्मचारियो को अनुकंपा नियुक्ति की सौगात मिली निगम भिलाई को

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नगर पालिक निगम भिलाई को 22 कर्मचारियो की अनुकंपा नियुक्ति की स्वीकृति मिली। आज 22 कर्मचारियो को नियुक्ति पत्र माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा प्रदान किया गया। ये शासन के नियमानुसार नियमित कर्मचारी होगें। वे कर्मचारी जो पूर्व में नगर निगम भिलाई में सेवाएं दे रहे थे, उनकी मृत्यु हो जाने के बाद उनके परिवार से एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाती है। जिससे उस परिवार का भरण–पोषण हो सके। निगम भिलाई में पूर्व के कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे है, उनके स्थान पर कर्मचारियो की आवश्यकता थी। 22 कर्मचारी अतिरिक्त मिल जाने से कार्यो को संपादन करने में सुविधा होगी।

22 कर्मचारी अपने आप को बहुत भाग्यशाली समझ रहे थे, उन्हे आज रायपुर में मुख्यमंत्री जी एवं नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव के हाथो से नियुक्ति पत्र मिला। प्रमुख रूप से कर्मचारी श्रीमती काजल, रोशन कुमार, चुड़ामणी शर्मा, श्रीमती सुमन देवांगन, हानेन्द्र चंदेल, श्रीमती पार्वती यादव, समीर अहमद, तोरणलाल साहू, डी. आनंद, निलेश ठाकुर, राजेश कुमार, मलकीत सिंह, कार्तिक राम, श्रीमती ए.ज्योति, कुशाग्र सिहं, भूपेन्द्र कुमार, राहूल कुमार, श्रीमती मनीषा, सुश्री ललिता पाण्डेय, प्रदीप कुमार रामटेके, पी कार्तिक राम, मनोज कुमार टण्डन सभी कर्मचारी अस्थायी रूप से 3 वर्ष की परीक्षा अवधि पर शासन के शर्तो के अनुसार कार्य करेगे। इनकी कार्य प्रणाली, शैली, स्वभाव, जनता एवं अधिकारियो से अच्छा व्यवहार आदि उत्तम रहा तो इन्हे 3 वर्ष पश्चात स्थायी रूप से नियमित किया जायेगा। 22 कर्मचारियो को वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शुभकानाएं देते हुए उन्हे निगम के हित में निष्ठापूर्वक कार्य करने के लिए कहे। यह भी कहा कि आप सबको शासकीय नियुक्ति मिली है, बहुत भाग्यशाली हो। शासन द्वारा स्वीकृति के पश्चात नियुक्ति मिली। पूरे छत्तीसगढ़ में 103 कर्मचारियो को नियुक्ति पत्र मिला, जिसमें भिलाई नगर निगम के ही 22 कर्मचारी है जो दुर्ग संभाग में से भिलाई नगर निगम में सबसे अधिक है। इससे निगम के कार्यो को गति मिलेगी।

भिलाई क्षेत्र में 16 कार्यों का लोकापर्ण, 84 विकास कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न हुआ

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओ के तहत माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, नगरीय निकाय मंत्री अरूण साव रायपुर से लाईव प्रसारण वर्चुवल माध्यम से एवं वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर नीरज पाल द्वारा स्थानीय रूप से 16 कार्यो का लोकापर्ण जिसकी लागत 483.32 लाख का किया गया। इसी प्रकार 84 ऐसे विकास कार्य जिनकी वार्डो में आवश्यकता थी। उसका भी भूमि पूजन लागत 2976.75 लाख का किया गया।

इसी तारतम्य में नगर निगम भिलाई में स्वच्छता के लिए घर–घर जाकर लोगो को गीला एवं सूखा कचरा अलग–अलग देने के लिए प्रेरित करने वाली स्वच्छता दीदीयों का सम्मान एवं दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री एवं नगरीय निकाय मंत्री द्वारा किया गया। इसमें से नगर निगम भिलाई के 12 स्वच्छता दीदी शामिल रही। इसके साथ ही स्वच्छता दीदीयो के वेतन में 800 रूपये की बढ़होतरी की गई है। पूर्व में उन्हे 7200 मिल रहा था अब 8000 मिलेगा। इससे उनका जीवन स्तर और बेहतर होगा। नगर निगम भिलाई में स्वच्छता दीदीयो द्वारा एस.एल.आर.एम. सेंटर में एकत्रित कचरे को अलग–अलग करके जो विक्रय करने लायक है उसे बेच दिया जाता है एवं गीले कचरे से खाद बनाया जाता है। उसकी राशि भी उन्ही समूह की महिलाओ में बांट दिया जाता है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत ऐसे परिवार जिनके पास खूद का कृषि भूमि नहीं है। उन्हे छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रतिवर्ष 10 हजार रूपये की सहायता राशि प्रदान करके योजना का शुभारंभ किया गया। आज स्थानीय रूप से भूमि पूजन एवं लोकापर्ण का कार्य नगर निगम भिलाई में संपन्न हुआ।

आचार संहिता लागू होते ही हटने लगे शहर से सभी राजनीतिक दलों के होर्डिंग्स, बैनर और पोस्टर

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आगामी नगरीय निकाय आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होते ही आदर्श आचार संहिता लगने और चुनाव की तारीखें घोषित होने के साथ ही प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया।

सोमवार को निर्वाचन आयोग की ओर से इसकी घोषणा किए जाने के बाद कलेक्टर/निगम प्रशासक सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेश व आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर आज प्रभारी अतिक्रमण परमेश्वर के नेतृत्व में अतिक्रमण दल द्वारा सार्वजनिक स्थानों से होर्डिंग्स, बैनर, पोस्टर आदि प्रचार सामग्रियों को हटवाना शुरू कर दिया। पटेल चौक मुख्य जीई रोड, राजेन्द्र पार्क सहित चौराहा, गौरव पथ, जेल तिराहा, पुलगांव मिनी माता तिराहा, बस स्टैंड आदि जगहों पर लगातार राजनीतिक दलों के होर्डिंग को तेजी से हटाया जाने लगा। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों से भी होर्डिंग्स उतारने का कार्य शुरू किया गया है। साथ ही दीवारों में सभी राजनीतिक दलों के प्रचार प्रसार को भी पोता जा रहा है। बाजार क्षेत्रों में सभी प्रमुख चौराहों लगी प्रचार सामग्री को नगर पालिक निगम द्वारा संपत्ति विरूपण दल का गठन टीम द्वारा हटाने का कार्य शुरू किया गया है।

छत्तीसगढ़ में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के लिए बिजनेसगढ़ का फाउंडर्स मीटअप आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए बिजनेसगढ़ द्वारा रायपुर में एक खास फाउंडर्स मीटअप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य भर से 45 से अधिक स्टार्टअप फाउंडर्स ने भाग लिया, जो राजनांदगांव, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, रायगढ़ और अन्य जिलों से आए थे।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए डॉ. त्रयंबिका गंजीर ने अपने आयुर्वेदिक वीमेन वेलनेस प्रोडक्ट्स अर्तवा का शुभारंभ किया। यह प्रोडक्ट महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

इस कार्यक्रम के प्रमुख अतिथियों में ज़ॉफ के फाउंडर आकाश अग्रवाल और 1स्ठुड्डुश्च के फाउंडर परमिंदर साहनी शामिल थे। उन्होंने अपनी प्रेरणादायक कहानियां साझा कीं और नए स्टार्टअप फाउंडर्स को अपने अनुभव और सुझावों से मार्गदर्शन दिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य हेतु निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-130-24-25, दि. 15-01-2025
कार्य : सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पेंड्रा से वेंकटनगर के बीच बी.के. 39, 44 और निगौरा से जैतहरी के बीच बी. के. 52 में जल जमाव को रोकने के लिए होल्स की ग्राएअिंग ,सबवे से निकास और प्रवेश द्वार पर हम्फ,एप्रोच रोड , कवर शेड इत्यादि का प्रावधान। निविदा मूल्यः 3,50,58,479.66/–, **अमानत राशिः** ₹ 3,25,300.00/–, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.सं. (2) ई-निविदा सं. डीआरएम-इंजी. बीएसपी-टी-131-24-25, दि. 15-01-2025
कार्य : सहायक मंडल अभियंता / मध्य / बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत एसलापुर से घुटकु के बीच बी.के. 09 और एसलापुर से करगीरोड के बीच बी. के.10ए 17 में जल जमाव को रोकने के लिए होल्स की ग्राएअिंग ,सबवे से निकास और प्रवेश द्वार पर हम्फ,एप्रोच रोड , कवर शेड इत्यादि का प्रावधान। निविदा मूल्यः 3,50,55,051.50/–, **अमानत राशिः** ₹ 3,25,300.00/–, **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह। निविदा जमा की आरंभ तिथि : दिनांक 10–02–2025 के 11.00 बजे से, निविदा जमा की अंतिम तिथिः 24–02–2025 के 11.00 बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
सीपीआर/10/FL/448
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

(1) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-109-24-25 दिनांक : 16.01.2025
कार्य का नाम- रायपुर मंडल (रायपुर, डब्ल्यूआरएस, बीएमवाई, डीआरजेड) पर आरपीएफ बैरक का विस्तार। **निविदा मूल्यः** ₹ 1,09,87,306.00, **ईएमडीः** ₹ 2,04,900.00.

(2) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-110-24-25 दिनांक : 16.01.2025
कार्य का नाम- डब्ल्यूआरएस पुनर्निर्माण/रायपुर में पीओएच चक्र को कम करने के लिए प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्यः** ₹ 3,63,12,402.00, **ईएमडीः** ₹ 3,31,600.00.

(3) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-111-24-25 दिनांक : 16.01.2025
कार्य का नाम- रिसेप्शन यार्ड बीएमवाई में पाथवे का निर्माण और प्रकाश सुविधा में सुधार। **निविदा मूल्यः** ₹ 1,03,91,312.00, **ईएमडीः** ₹ 2,02,200.00.

(4) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-112-24-25 दिनांक : 16.01.2025
कार्य का नाम- एसएसई तारोकी के बीच विविध-बीएक्सए के अधिकार क्षेत्र के तहत डीआरजेड/(वे.पी.) ट्रैक कार्य जैसे ट्रैक की डिस्ट्रेसिंग, प्री और पोस्ट टैंपिंग कार्य, एंड क्रॉपिंग वेल्डिंग, ट्रैक की हेवी लिफ्टिंग, स्लीपर का नवीनीकरण आदि। (एक वर्ष के लिए)। **निविदा मूल्यः** ₹ 1,48,75,145.76, **ईएमडीः** ₹ 2,24,400.00.

(5) निविदा सूचना संख्या ई-आर-टी-114-24-25 दिनांक : 16.01.2025
कार्य का नाम- रायपुर डिवीजन के अयस्क लोड यार्ड के एमएक्सए छोर पर वैगन टिपलर 5- और वैगन टिपलर 6- के लिए सिग्नलिंग एंट्री के साथ साथ भिलाई स्टील प्लांट की एमजीआर साइडिंग (मेरी गो राउंड) को जोड़ने के कार्य का निष्पादन। **निविदा मूल्यः** ₹ 3,47,20,983.33, **ईएमडीः** ₹ 3,23,600.00. **निविदा प्रस्तुत करनाः** 11.00 बजे तक दिनांक 13.02.2025, **निविदा खोलनाः** 11.00 बजे दिनांक 13.02.2025.

विस्तृत विवरण/निविदा दस्तावेज की खरीद, पात्रता मानदंड एवं उपरोक्त कार्य के पूर्ण विवरण हेतु कृपया वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, समन्वय/एसईसीआर रायपुर के कार्यालय से संपर्क करें अथवा हमारे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध निविदा दस्तावेजों का अवलोकन/डाउनलोड करें।

वरि. मंडल अभियंता-II
द.पू.म.रे., रायपुर
पीआर/आर/इंजी./एएन/217
South East Central Railway @secrail

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार//

रा.मा.क्र. / 202501111500039/अ-6/2024-25

रायपुर, दिनांक 16/01/2025
ग्राम फाफाडीह, प0ह0नं0 48
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि. **आवेदिका श्रीमती सारिका जैन पति धीरज जैन पता फ्लैट नंबर SC3, शिवम HP गैस बिल्डिंग, कल्याण हॉस्पिटल लेन बिलासपुर रोड वाल्टेयर गेट फाफाडीह रायपुर (छ.ग.)** द्वारा इस न्यायालय में छ.ग.भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है कि, **ग्राम फाफाडीह, प.ह.नं. 48, तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 14, भूखंड क्रमांक 3/2** का भाग, लेआउट के अनुसार **प्लाट नंबर 16, रकबा 602** वर्गफुट भूमि को आवेदक द्वारा विक्रेता **मेसर्स चिन्मय बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर श्री चिन्मय दावडा पिता प्रकाश दावडा पता- A-1, पुष्पक अपार्टमेंट छोटापारा गवर्नमेंट स्कूल के सामने रायपुर (छ.ग.)** से पंजीकृत विक्रय पत्र **दिनांक 08.01.2025** को क्रय किया गया है। अत: उक्त भूमि को पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर आवेदित भूमि को आवेदक अपने नाम पर नामांतरण दर्ज किये जाने निवेदन किया है।

अत: आवेदक का द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई **दिनांक 31/01/2025** तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज **दिनांक 16/01/2025** को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार,
रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./17675/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2025
रायपुर, दिनांक 20-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17675
वार्ड का नाम-30- शंकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR331H00251** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MRS. PRITI SHRIVASTAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O RAJNISH SHRIVASTAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. VIKAS SHRIVASTAVA 2. VINAMRA SHRIVASTAVA 3. VARUL SHRIVASTAVA** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O 1. MADAN MOHAN SHRIVASTAVA 2. VIKAS SHRIVASTAVA 3. VIKAS SHRIVASTAVA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानन्द दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./16966/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2024
रायपुर, दिनांक 15-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 16966
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवनराम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446N00912** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GEETA GOPAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIDYA SAGAR GOPAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1 AKASH SHARMA 2. AJIT SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VIJAY LAXMAN SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /17699/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 20-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17699
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801P00319** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GURNAM SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PYARA SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **HARPREET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GURNAM SING** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /17698/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 20-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17698
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L00396** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JOGI LAL TENBHARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. ISHULAL TEMBHARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANJALI SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHANANJAY SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./17410/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2025
रायपुर, दिनांक 14-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17410
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109E00165** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JUGNU GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAN GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NEHA MISHRA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NEERAJ MISHRA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /17705/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 20-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17705
वार्ड का नाम- 02 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 02 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802I00209** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMLA SINGH JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LILANAND SINGH JHA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GAURAV SINGH JHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LEELANAND SINGH JHA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

डीएवी विश्रामपुर का दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

अतिथियों ने कहा पढ़ाई लिखाई के साथ विद्यार्थी खेल में भी दिखाएं अभिरुचि

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हो गया।

उक्त प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 1000 छात्र - छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ बैलून रेस , स्पून पोटैटो रेस, साइकिल रेस, ऑक्टोपस रेस, गोला फेंक, तवा फेंक, लंबीकूद, ऊंची कूद, रिले रेस आदि विविध स्पर्धाओं में भाग लिया।

दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि एस के पांडेय जी, प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल चिरमिरी, मीडिया से पधारे वरिष्ठ पत्रकार गोपाल सिंह विद्रोही जी, श्री अजय विश्वकर्मा , केंद्रीय अध्यक्ष , वेलफेयर कमेटी व सजल मित्रा जी, सदस्य एरिया वेल्फेयर, सुरेश पटेल , जे.सी.सी. सदस्य, तथा गणमान्य अतिथियों को विद्यालय प्राचार्य श्री एच के पाठक जी एवं वरिष्ठ अध्यापक-अध्यापिकाओं के द्वारा सैंपलिंग भेंट कर तथा कैप व बैज पहनाकर उनका स्वागत किया गया।

डी. ए. वी. वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2024-25 के समापन समारोह का शुभारंभ डी ए वी गान से किया गया। समापन समारोह के अवसर पर प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों के द्वारा आकर्षक 'जम्बल मार्च पास्ट' किया गया। कक्षा छठवीं एवं सातवीं के छात्र- छात्राओं द्वारा समूह नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति की सभी ने भूरि - भूरि प्रशंसा की।

समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि एस के पांडेय प्राचार्य, डीएवी पब्लिक स्कूल चिरमिरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के सभी डीएवी स्कूल के बच्चे राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन करेंगे। बच्चों का उत्साह विश्वास दिलाता है कि खेलों से देश का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने समस्त प्रतिभागियों, विभिन्न स्पर्धा में विजयी प्रतिभागियों एवं अभिभावकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दी। विद्यालय प्राचार्य श्री एच. के. पाठक जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल के द्वारा बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और जीवन की हर दौड़ में जीतने का प्रयास करते हैं। किसी भी प्रतियोगिता में मेडल जीतना महत्त्व नहीं रखता वरन खेल को खेल भावना से खेलना महत्वपूर्ण होता है। खेल में हार - जीत को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में कुल 116 स्पर्धाएँ आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने क्लस्टर लेवल, ज़ोनल लेवल एवं नेशनल लेवल की विविध प्रतिस्पर्धाओं में अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने आमंत्रित सभी सम्माननीय एवं गणमान्य अतिथियों , केंद्रीय चिकित्सालय एसईसीएल बिश्रामपुर की फ़स्ट एड टीम, अभिभावकों, शिक्षक - शिक्षिकाओं एवं कार्यालय स्टाफके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए समस्त प्रतिभागियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दी।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन संपन्न विविध स्पर्धाओं में बालक वर्ग कक्षा तीसरी, 200 मीटर साइकिल रेस में रेयांश अग्रवाल प्रथम, स्वास्तिक मालाकार, द्वितीय एवं शिवांश तिवारी ने तृतीय स्थान, बालक वर्ग कक्षा तीसरी, 100 मीटर रेस में अनुराग साहू, प्रथम , द्रविणम यादव, द्वितीय एवं अतुल राज़योगी ने तृतीय स्थान और बालिका वर्ग कक्षा तीसरी 100 मीटर रेस में आराध्या खलखो ,प्रथम , पूर्वी राजवाड़े, द्वितीय एवं आन्या एक्का ने तृतीय स्थान , बालक वर्ग कक्षा चौथी 100 मीटर फ्लैट रेस में संदीप सिंह प्रथम , कार्तिक सिंह, द्वितीय एवं श्रेष्ठ कुजूर ने तृतीय स्थान और बालिका वर्ग कक्षा चौथी 100 मीटर फ्लैट रेस में रूसिता राजवाड़े, प्रथम , वेदिका सिंह , द्वितीय एवं नैनसी यादव ने तृतीय स्थान, बालक वर्ग कक्षा पाँचवी 100 मीटर फ्लैट रेस में केशव यादव प्रथम , फ्लेश्वर सिंह द्वितीय एवं रुद्रांश राजवाडे ने तृतीय स्थान और बालिका वर्ग कक्षा पाँचवी 100 मीटर फ्लैट रेस में सृष्टि यादव, प्रथम , मयस्सर परवीन, द्वितीय एवं इजमा अख्तर ने तृतीय स्थान, जूनियर बालक वर्ग लंबी कूद में रजा कुरैशी प्रथम , ईशान फ़िरोज, द्वितीय एवं आयुष कुमार ने तृतीय स्थान और जूनियर बालिका वर्ग लंबी कूद में रोमा सिंह, प्रथम , श्रद्धा उपाध्याय द्वितीय एवं दृष्टि चतुर्वेदी ने तृतीय स्थान, जूनियर बालक वर्ग तवा फेंक में राजवीर सोनी प्रथम , देवराज सिंह द्वितीय एवं शशांक शर्मा ने तृतीय स्थान और जूनियर बालिका वर्ग तवा फेंक में श्रेया सिंह, प्रथम , सौम्या देवांगन द्वितीय एवं आन्या सिंह ने तृतीय स्थान, सीनियर बालक वर्ग तवा फेंक में अतुल त्रिपाठी ,प्रथम , अक्षत सिंह द्वितीय एवं कमल हसन ने तृतीय स्थान और सीनियर बालिका वर्ग तवा फेंक समा आफ़रीन, प्रथम , सांभवी यादव , द्वितीय एवं रुद्राणी नंदी ने तृतीय स्थान, जूनियर बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में आर्य केसरवानी प्रथम , ईशान फ़िरोज, द्वितीय एवं पीयूष राजवाड़े ने तृतीय स्थान और जूनियर बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ में रोमा सिंह प्रथम , अदिति खाखा द्वितीय एवं श्रद्धा उपाध्याय ने तृतीय स्थान, जूनियर बालक वर्ग 400 मीटर दौड़ में शौर्य प्रताप, प्रथम , जसप्रीत सिंह, द्वितीय एवं विजय विसी ने तृतीय स्थान और जूनियर बालिका वर्ग 400 मीटर दौड़ में वर्तिका कश्यप, प्रथम , शिवांगी सिंह द्वितीय एवं प्रगति सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सीनियर बालक वर्ग 400 मीटर दौड़ में अथर्व कुमार यादव, प्रथम , रोनित प्रधान, द्वितीय एवं आयुष कुमार सिंह ने तृतीय स्थान और सीनियर बालिका वर्ग 400 मीटर दौड़ में सोनिया, प्रथम , अहदिया जन्नत, द्वितीय एवं अन्वेशा चौबे ने तृतीय स्थान, जूनियर बालक वर्ग 1500 मीटर दौड़ में अग्रवीर शर्मा, प्रथम , हिमांशु राय, द्वितीय एवं आर्यन नायक ने तृतीय स्थान और जूनियर बालिका वर्ग 1500 मीटर दौड़ में सानिया, प्रथम , सानिया राजवाड़े, द्वितीय एवं पलक सिंह ने तृतीय स्थान , सीनियर बालक वर्ग 1500 मीटर दौड़ में हर्षित कुमार, प्रथम , अनुज कुमार, द्वितीय एवं साहिल रजा ने तृतीय स्थान और सीनियर बालिका वर्ग 1500 मीटर दौड़ में मानवी शर्मा, प्रथम , अन्वेशा चौबे, द्वितीय एवं जेनिफ़र कुजूर ने तृतीय स्थान अर्जित किया।

जूनियर बालिका वर्ग में प्रतियोगिता का व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब संयुक्त रूप से सानिया, वर्तिका कश्यप व रोमा सिंह ने और जूनियर बालक वर्ग में प्रतियोगिता का व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब आर्य केशरवानी ने हासिल किया। सीनियर बालिका वर्ग में प्रतियोगिता का व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब सामाक्षी कुमारी और सीनियर बालक वर्ग में प्रतियोगिता का व्यक्तिगत चैंपियनशिप का खिताब संयुक्त रूप से हर्षित कुमार, हर्ष गुप्ता व शुभम मुदलियार ने जीता । प्रतियोगिता का संपूर्ण चैंपियनशिप का खिताब अग्नि सदन ने जीता और अंगिरा सदन प्रतियोगिता का उप विजेता बना। आदित्य सदन ने तृतीय स्थान और वायु सदन ने चतुर्थ स्थान हासिल किया।

महिला अभिभावकों के लिए आयोजित इवेंट में अंकिता अग्रवाल , प्रथम, उषा राजवाड़े, द्वितीय एवं प्रीति ओझा व कोमल देरी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान, पुरुष अभिभावकों की 100 मीटर दौड़ में राजेन्द्र प्रधान प्रथम, मुलेश्वर यादव द्वितीय एवं नागेश सिंह तृतीय स्थान , विद्यालय की शिक्षिकाओं के लिए आयोजित बैलेंसिंग रेस में निधि मिश्रा, प्रथम, ममता सिंह, द्वितीय और नामित गार्गी ने तृतीय स्थान और कक्षा बारहवीं के छात्रों और शिक्षकों के मध्य रस्सी खींच प्रतियोगिता में अध्यापकों ने जीत हासिल की। प्राचार्य श्री एच के पाठक जी, विशिष्ट अतिथि प्राचार्य श्री एस के पांडेय जी , गणमान्य अतिथियों एवं अभिभावकों के द्वारा विभिन्न स्पर्धाओं में विजयी प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। विशिष्ट अतिथि श्री एस के पांडेय जी के द्वारा खेल प्रतियोगिता के समापन करने की औपचारिक घोषणा के पश्चात् खेल मशाल बुझा कर क्रीड़ा ध्वज का अवरोहण किया गया । विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक अजय कुमार तिवारी , एस.ई.सी.एल. विश्रामपुर क्षेत्र और शिवानी महिला मंडल विश्रामपुर की अध्यक्षा श्रीमती ममता तिवारी ने समस्त प्रतिभागियों एवं डीएवी विश्रामपुर परिवार को उनके उज्ज्वल भविष्य व सुखमय जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों को लेकर एसपी का प्रेस वार्ता

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-छत्तीसगढ़ में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तारीखों की घोषणा की गई। इस घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता राज्य भर में लागू हो गई है। नगरीय निकाय के चुनाव एक चरण तथा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तीन चरणों में आयोजित किए जाएंगे। नगरीय निकाय के चुनाव 11 फ़रवरी तथा पंचायत चुनाव 17, 20 और 23 फ़रवरी 2025 को आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आज कलेक्टर कार्यालय द्वारा प्रेस वार्ता एवं राजनीतिक दलों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर एवं उपजिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा नगरीय निकाय चुनाव एवं पंचायत चुनाव के तिथियों एवं विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया गया। गौरतलब है कि जिले में नगर पालिका सूरजपुर सहित 04 नगर पंचायत विश्रामपुर, भटगांव, जरही और प्रतापपुर मिलाकर कुल 05 नगरीय निकायों के लिए चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अंतर्गत प्रथम चरण में सूरजपुर जनपद एवं भैयाथान जनपद, द्वितीय चरण में प्रेमनगर जनपद एवं रामानुजनगर जनपद तथा तृतीय चरण में ओड़गी जनपद एवं प्रतापपुर जनपद में आयोजित किए जाएंगे।

आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार निर्वाचन की सूचना की प्रकाशन, सीटों के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन, मतदान केंद्रो की सूची का प्रकाशन, नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की तिथि नगरीय निकाय हेतु, 22 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 27 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि नगरीय निकाय हेतु, 28 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 03 फ़रवरी 2025 निर्धारित की गई है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा के लिए नगरीय निकाय हेतु, 29 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 04 फ़रवरी 2025, अभ्यर्थिता से नाम वापिस लेने की तिथि नगरीय निकाय हेतु 31 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 06 फ़रवरी 2025 निर्धारित की गई है। इसके अलावा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची तैयार करने, प्रकाशन करने और निर्वाचन प्रतीकों का आबंटन करने की तिथि नगरीय निकाय हेतु 31 जनवरी एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव हेतु 06 फ़रवरी 2025 निर्धारित की गई है। मतगणना की कार्यवाही नगरीय निकाय हेतु 15 फ़रवरी निर्धारित की गई है। इसके अलावा पंचायत चुनाव को लेकर मतदान एवं मतदान केंद्र पर की जाने वाली मतगणना 17,20 और 23 फ़रवरी तथा खण्ड मुख्यालय में की जाने वाली मतगणना 18,21 और 24 फ़रवरी निर्धारित की गई है। सारणीकरण एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा पंच, सरपंच, जनपद पंचायत के मामले में खण्ड स्तर पर 19, 22 और 25 फ़रवरी तथा जिला पंचायत सदस्य के मामले में जिला मुख्यालय पर 20, 23 और 25 फ़रवरी निर्धारित की गई है।

नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कलेक्टर ने ली विभिन्न विभागों की बैठक

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर एस जयवर्धन ने नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर विभागों की बैठक ली।

गौरतलब है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा आज से नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की घोषणा कर दी गई है। घोषणा के साथ ही राज्य भर में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो गई है। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री जयवर्धन ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल संपत्ति विरूपण की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में निर्वाचन शांतिपूर्ण एवं बेहतर तरीके से कराने के लिए राज्य निर्वाचन द्वारा जारी गाईडलाईन्स का शब्दश: पालन करने के निर्देश दिए हैं।

जिसके परिपालन में राजस्व अधिकारी व संबंधितों द्वारा संपत्ति विरूपण की कार्यवाही जिले में शुरू कर दी गई है। सभी कार्यालय व सार्वजनिक स्थलों पर कार्यवाही की जा रही है। संपत्ति विरूपण की कार्यवाही जिला संयुक्त कार्यालय, जिला पंचायत व अन्य कार्यालयों के साथ साथ सार्वजनिक स्थलों पर सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही तहसील भैयाथान, बिहारपुर चौक, प्रेमनगर व अन्य स्थलों पर संपत्ति विरूपण की कार्यवाही लगातार की जा रही है।

सार्वजनिक स्थल तथा शासकीय भवनों में लगे बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स, एलईडी तथा अन्य प्रचार सामग्रियों को 24 घण्टे भीतर हटाने की कार्रवाई की जाएगी। प्रथम 48 घंटे में सभी सार्वजनिक संपत्तियों से विरूपण हटाने की कार्यवाही जाएगी। प्रथम 72 घंटे में सभी निजी संपत्तियों से विरूपण हटाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होते ही संपत्ति विरूपण अधिनियम के कार्य में लगे शासकीय कर्मचारियों द्वारा फ्लेक्स बैनर पोस्टर आदि हटाने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। सूरजपुर नगर पालिका परिषद क्षेत्र से लेकर जिले के सभी नगर पंचायत एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए विभागीय कर्मचारी संपत्ति विरूपण का कार्य पूरा कर रहे हैं। सभी चौक चौराहे से एवं सार्वजनिक स्थान से बैनर पोस्टर जैसे प्रचार सामग्रियों को हटाया जा रहा है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति विरूपण की कार्यवाही संबंधित अधिकारी के मार्गदर्शन में हो रही है।

एसएसपी ने ली क्राइम मीटिंग, लंबित मामलों के निकाल में तेजी लाने दिया निर्देश

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के पुलिस अधिकारियों का क्राईम मीटिंग लिया, जिसमें थाना-चौकी के कार्यो, अपराध निकाल, प्रतिबंधात्मक व लघु अधिनियम व ऑपरेशन मुस्कान की समीक्षा कर परफ़ारमेंश को जाना और लंबित अपराधों एवं शिकायत के निराकरण का ब्यौरा लेते हेतु निराकरण में और तेजी लाने, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों में पुलिस का खौफ बनाए रखने सख्ती के साथ तत्परतापूर्वक कार्यवाही करने, थाना क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सूचना तंत्र मजबूत और पुख्ता करने के निर्देश दिए।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने टासकिंग पुलिसिंग पर जोर देते हुए प्रभारियों को कहा कि अपराध, शिकायत, सहित अन्य कार्यवाहियों को पूर्ण करने की समय सीमा खुद बनाए और उसे मजबूती के साथ पूरा करें इससे कार्यो में तेजी आयेगी और निकाल का प्रतिशत भी बढ़ेगा, सामाजिक बुराईयों, नशे व अवैध कारोबार पर सख्ती से पूर्णत: अंकुश लगाई जाए, दुघर्टना को पूरी तरीके से रोक पाना संभव नहीं है किन्तु एक्सीडेंट रोकने की दिशा में कार्यवाही एवं जागरूकता से कमी लाई जा सकती है इसके लिए बेहतर कार्य करें, शराब पीकर और ओव्हर स्पीडिंग कर यातायात नियमों की अनेदखी पर सख्ती से कार्यवाही करने, थाना प्रभारी खुद नागरिकों की समस्या शिकायत को सुने और निराकरण करें। जमीन संबंधी मामले की शिकायत पर फौरन कार्यवाही के साथ ही बाउन्ड ओव्हर की कार्यवाही कराने, स्थाई वारंट की तामीली में विशेष रूचि लेने के निर्देश दिए। उन्होंने आदतन अपराधियों का निगरानी व गुण्डा बदमाश हिस्ट्रीशीट खोलने, अपराधों की रोकथाम के लिए सतत पेट्रोलिंग व प्रभावी रात्रि गश्त करने एवं अधिक से अधिक लघु व प्रतिबंधात्मक अधिनियम के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस दौरान डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

कोयला बोरी में भरकर मोटर सायकल से परिवहन कर रहे सात चोरों को पुलिस ने पकड़ा

बिश्रामपुर (दैनिक विश्व परिवार)- एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले की पुलिस अवैध कार्यो के विरूद्ध लगातार कड़ी कार्यवाही कर रही है। इसी कड़ी में बीती रात रात्रि रामानुजनगर पुलिस ने ग्राम साल्ही की ओर से काफी मात्रा में मोटर सायकल चालक के द्वारा अवैध रूप से कोयला परिवहन करते पुलिस कि नजर पड़ी सूचना पर थाना रामानुजनगर की पुलिस टीम ने ग्राम साल्ही चौक में घेराबंदी कर सब्बीर पिता मो. सफीज उम्र 24 वर्ष ग्राम नारायणपुर , मोहित प्रजापति पिता राजेन्द्र प्रसाद उम्र 25 वर्ष ग्राम नारायणपुर , हिफ़जल पिता मो. हफ़ीज उम्र 28 वर्ष ग्राम नारायणपुर, जलसाय पिता स्व. धरमसाय उम्र 30 वर्ष ग्राम पतरापाली , बाबुलाल पिता बलवंत सिंह उम्र 30 वर्ष ग्राम पतरापाली, देवशंकर पिता स्व. जगन राम उम्र 32 वर्ष ग्राम पतरापाली , बोधन सिंह पिता मदन साय उम्र 35 वर्ष ग्राम पतरापाली को मोटर सायकल में बोरी में कोयला भरकर परिवहन करते पकड़ा जो कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 35(1-4)/303(2) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर 14 बोरी कोयला एवं परिवहन में प्रयुक्त 7 नग मोटर सायकल जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर राजेन्द्र साहू व उनकी टीम सक्रिय रही।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने वर्चुअल रूप से सीसी रोड निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- ग्राम पंचायत केशर पंडोपारा विकास खंड ओड़गी में रामकेश पण्डो के घर से पंचायत भवन तक 269 मीटर सीसी रोड का भूमिपूजन केबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के द्वारा वर्चुअल रूप से भूमिपूजन किया गया। सरपंच श्रीमती रामपति सिंह व केबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के पति श्री ठाकुर राजवाड़े की उपस्थिति में संपन्न किया गया। मंत्री राजवाड़े के रायपुर प्रवास में होने के कारण वे वर्चुअल रूप से कार्यक्रम को संबोधित की। इस अवसर पर ग्राम पंचायत केशर के जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे रोकने पेड़ों पर लगाया गया रेडियम पट्टी

कोरबा(विश्व परिवार)। सड़क सुरक्षा माह के तहत कोरबा पुलिस द्वारा सड़क मोड़ों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ट्रैफ़िक पुलिस द्वारा वृक्षों एवं खंभों पर सफेद पेंट एवं रेडियम पट्टीकरण कार्य किया जा रहा है। एसपी एस. तिवारी के निर्देशन में एवं यातायात एवं क्राइम प्रभारी आर. के. मीना के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह के तहत करतला, पसान, भैसमा, बागों एवं पाली क्षेत्र के सड़क मोड़ों पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु ट्रैफ़िक पुलिस द्वारा सफेद पेंट एवं रेडियम पट्टीकरण कार्य किया गया। 100 से अधिक पेड़ो पर सफेद पेंट एवं 200 से अधिक पेड़ो एवं खंभों पर रेडियम पट्टीकरण का कार्य किया गया इस पहल का उद्देश्य विशेष रूप से घुमावदार मार्गों पर दृश्यता बढ़ाकर वाहन चालकों को सुरक्षित मार्गदर्शन प्रदान करना एवं सड़क हादसों को रोकना है। यह कार्य प्रमुख सड़कों, अंधे मोड़ों एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में किया गया, जिससे वाहन चालकों को दूर से ही मोड़ स्पष्ट दिखाई दे और वे अपनी गति नियंत्रित कर सुरक्षित ड्राइविंग कर सकें।सड़क सुरक्षा माह के दौरान ऐसे कई अन्य प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं को न्यूनतम किया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और इस अभियान में पुलिस का सहयोग करें। कोरबा ट्रैफ़िक पुलिस सड़क सुरक्षा हेतु प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी इस दिशा में प्रभावी कदम उठाती रहेगी।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर मंगलवार 21 जनवरी 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

कांग्रेस की इंडिया से लड़ाई की घोषणा

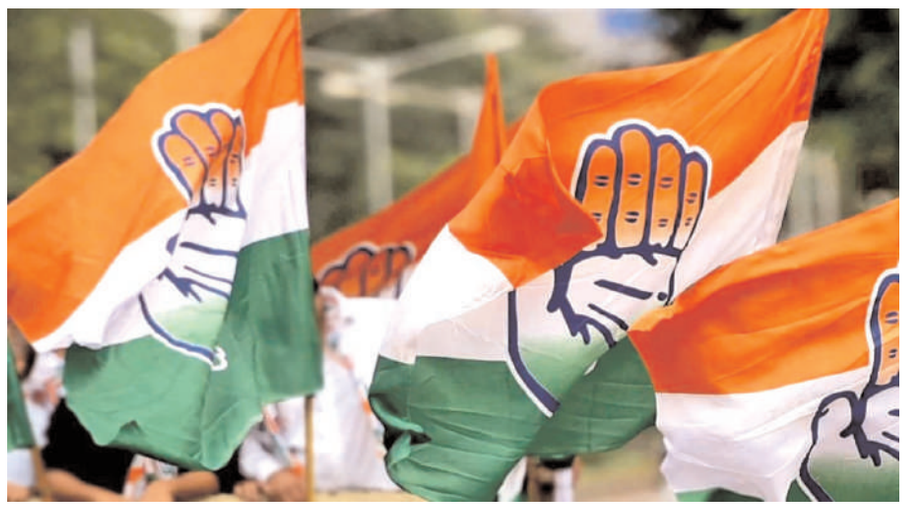

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

चीन तो सीमा पर हमला ही करता है। इस पृष्ठभूमि में राहुल गांधी का रहस्योद्घाटन सचमुच चिंता पैदा करता है। इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूह व पार्टियां खुल कर काम कर रही थीं। इससे भारतीय उनका मुकाबला भी करते हैं। लेकिन अब राहुल गांधी का कहना है कि उनकी पार्टी भी इसी काम में लगी हुई है। इसलिए यह सारा मामला गंभीर हो जाता है और सरकार को बाकायदा इसकी जांच करवानी चाहिए कि कांग्रेस ने क्या इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूहों से गठजोड़ तो नहीं बना लिया है? यह तो अच्छा हुआ कि राहुल गांधी ने अपने भोलेपन में पार्टी की इस भीतरी नीति का खुलासा समय से पहले ही कर दिया, अन्यथा मामला और गंभीर हो जाता। अमेरिका में बैठे जार्ज सोरोस इंडियन स्टेट से लड़ ही रहे हैं। दो दिन के बाद भूतपूर्व हो जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने इस सोरोस को अमेरिका का सबसे बड़ा सम्मान देकर उसका कद भी बढ़ाया है। विदेशों में ऐसे कई सोरोस हैं राहुल गांधी भारतीय संसद में विपक्ष के नेता हैं। वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भी नेता हैं। वैसे लोकलाज के लिए कर्नाटक के एक वयोवृद्ध व्यक्ति मल्लिकार्जुन जी को अध्यक्ष के रूप में घोषित किया हुआ है, लेकिन सभी जानते हैं के 'लोकलाज' के बाद असली अध्यक्ष राहुल गांधी ही हैं। राहुल गांधी का एक गुण है। वह अपनी किसी बात को मन में छिपा नहीं पाते। इसलिए लोग उन्हें पप्पू भी कहते थे। जाहिर है कांग्रेस को अपने अध्यक्ष (वह इससे पहले आधिकारिक तौर पर पार्टी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं) के लिए यह विशेषण चुभता था। लेकिन इससे छुटकारा कैसे पाया जाए, यह बड़ी समस्या थी। तब किसी 'भलेमानुस' ने सलाह दी कि राहुल गांधी से एक लंबी पैदल यात्रा करवाई जाए। यात्रा से ज्ञान बढ़ता है और लोगों से मिलने-जुलने से व्यावहारिक बुद्धि भी बढ़ती है। पैदल यात्रा सही सलामत संपन्न हो गई। तब मीडिया ने भी लिखना शुरू कर दिया कि राहुल गांधी अब 'मैच्योर' हो गए हैं। उनकी बातों से ऐसा झलकने भी लगा है। पार्टी में खुशयां छा गईं। पचास साल से भी ज्यादा उम्र हो जाने पर भी पार्टी ने अपने नेता व रहबर के 'मैच्योर' होने का भी बाकायदा सार्वजनिक रूप से जश्ननुमा उल्लास प्रकट किया। लेकिन उनमें सांसारिक व व्यावहारिक बुद्धि बढ़ी या नहीं, इस पर संदेह बरकरार रहा। व्यावहारिक आदमी या पार्टी जब किसी योजना को बनाती है, खासकर ऐसी योजना जिसका क्रियान्वयन बहुत ही मुश्किल हो, उसका तब तक खुलासा नहीं करती, जब तक उसके लिए पूरी तैयारी, साधन, सहायक इत्यादि जुटा न लिए जाएं। लगता है राहुल गांधी यात्रा के बाद भी नहीं बदले। लेकिन अब उनको पप्पू नहीं कहा जा सकता, क्योंकि पप्पू से लोग किसी बड़े काम या योजना की आशा नहीं करते। यदि कहना ही हो तो उन्हें 'भोला' कहा जा सकता है, जो बिना किसी छल कपट के अपनी सभी योजनाएं अपने विरोधियों को भी बता देता है। राहुल गांधी ने दो दिन पहले यही काम करके अपनी कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी योजना का खुलासा कर दिया। कांग्रेस ने दिल्ली में अपना पुराना दफ्तर छोड़ दिया है और अब नया दफ्तर खोला है। इस अवसर पर राहुल गांधी ने एक सच उगल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भाजपा से लड़ रही है, आरएसएस से लड़ रही है। यहां तक तो ठीक था। सभी जानते हैं कि कांग्रेस भाजपा से लड़ रही है। चुनाव बगैरह में यह देखा ही जाता है। कांग्रेस आरएसएस से भी लड़ रही है, यह भी राहुल गांधी कोई नई बात नहीं बता रहे थे। कांग्रेस तो नेहरु के वक्त से ही आरएसएस से लड़ रही है। लेकिन उसके बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस की भीतर की तैयारी का भी खुलासा कर दिया। उन्होंने कहा कि दरअसल कांग्रेस तो 'इंडियन स्टेट' से लड़ रही है। अब कांग्रेस के लोग कह रहे हैं कि राहुल गांधी भोला है, किसी भी बात को छुपा कर नहीं रख पाता। जब राहुल गांधी अपनी पार्टी का यह घोषणापत्र बता रहे थे तो सामने बैठे कांग्रेस के बुजुर्ग नेता सन्नाटे में थे। सारा गुड़-गोबर कर दिया। समय से पहले ही पार्टी की अंदरूनी योजना जगजाहिर कर दी। अब लड़ाई कितनी मुश्किल हो जाएगी? दरअसल इंडिया स्टेट से की जाने वाली यह लड़ाई नई नहीं है। यह लड़ाई आठवीं शताब्दी में अरबों ने शुरू की थी। उसके बाद तुर्कों ने इसे जारी रखा। इसके बाद मुगल आए। उसके साथ ही पुर्तगालियों ने इंडिया स्टेट के खिलाफ यह लड़ाई जारी रखी। पुर्तगाल के बाद फ्रांस और ब्रिटेन ने इंडिया स्टेट के खिलाफ लड़ाई जारी रखी। 1947 में अंग्रेज कांग्रेस को सत्ता का हस्तांतरण करने के बाद यहां से चले गए। तब भारत के लोगों ने समझा था कि शताब्दियों से चली आ रही इंडिया स्टेट के खिलाफ यह लड़ाई समाप्त हो गई है। लेकिन अब इंडियन नैशनल कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी ने यह रहस्योद्घाटन करके सबको चौंका दिया है कि कांग्रेस तो वास्तव में इंडियन स्टेट से ही लड़ रही है। सबसे दुख की बात तो यह है कि जिस पार्टी का नाम 'इंडियन' है, वही पार्टी 'इंडियन स्टेट' से लड़ रही है। इससे तो लगता है कि पार्टी ने अपने नाम के आगे इंडियन और नैशनल जो दो शब्द लगा रखे हैं, वे आम लोगों को धोखा देने के लिए हैं। वैसे राहुल गांधी ने यह खुलासा नहीं किया कि पार्टी ने इंडियन स्टेट के खिलाफ जो लड़ाई छेड़ रखी है, वह 1947 से ही चली हुई है या फिर जब से कांग्रेस पर सोनिया गांधी परिवार का कब्जा हुआ है, तब से पार्टी ने अपना ध्येय और रास्ता बदला है। देश में और भी कई संगठन हैं जिन्होंने इंडियन स्टेट से युद्ध की घोषणा कर रखी है। उदाहरण के लिए विविध नक्सलवादी ग्रुप हैं, कुछ चरमपंथी इस्लामी संगठन, मसलन आईएसआईएस हैं। इनके अतिरिक्त 'भारत तेरे टुकड़े होंगे हजार' का उद्देश्य लेकर काम करने वाले छोटे-छोटे समूह हैं। विदेशों की कुछ नाम-अनाम शक्तियों ने भी इंडियन स्टेट के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। चीन तो सीमा पर हमला ही करता है। इस पृष्ठभूमि में राहुल गांधी का रहस्योद्घाटन सचमुच चिंता पैदा करता है। इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूह व पार्टियां खुल कर काम कर रही थीं। इससे भारतीय उनका मुकाबला भी करते हैं। लेकिन अब राहुल गांधी का कहना है कि उनकी पार्टी भी इसी काम में लगी हुई है। इसलिए यह सारा मामला गंभीर हो जाता है और सरकार को बाकायदा इसकी जांच करवानी चाहिए कि कांग्रेस ने क्या इंडियन स्टेट से लडने वाले अन्य समूहों से गठजोड़ तो नहीं बना लिया है? यह तो अच्छा हुआ कि राहुल गांधी ने अपने भोलेपन में पार्टी की इस भीतरी नीति का खुलासा समय से पहले ही कर दिया, अन्यथा मामला और गंभीर हो जाता। अमेरिका में बैठे जार्ज सोरोस इंडियन स्टेट से लड़ ही रहे हैं। दो दिन के बाद भूतपूर्व हो जाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने इस सोरोस को अमेरिका का सबसे बड़ा सम्मान देकर उसका कद भी बढ़ाया है। विदेशों में ऐसे कई सोरोस हैं जो भारत से दुखी हैं। क्या इसे संयोग कहा जाए कि राहुल गांधी जब भी विदेश यात्रा पर जाते हैं तो कोई नई योजना लेकर आते हैं। कांग्रेस को यह भी समझ लेना चाहिए कि इंडियन स्टेट से लड़ाई करके वह सत्ता हासिल नहीं कर सकती है। इसके विपरीत ऐसा करके वह कुछ लोगों को खुश तो कर सकती है, लेकिन इससे न कांग्रेस का भला होगा, न ही भारत को कोई लाभ होगा। साथ ही ऐसा करके कांग्रेस की भारतीय मतदाताओं में साख भी गिरेगी।

शृंखला भारत को कठिन चौराहे पर छोड़ गई.....

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम की अंदरूनी मुश्किलों का इज़हार खुल कर हुआ। पूरी सीरीज में एकमात्र चमकता सितारा जसप्रीत बूमरा रहे। मगर एक खिलाड़ी पर निर्भरता दुर्दशा का ही संकेत है। कुल मिला कर शृंखला भारत को कठिन चौराहे पर छोड़ गई है। ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम हार जाए, यह अनहोनी नहीं है। हालांकि पिछले दो दौरों में टीम वहां विजय पताका लहरा कर लौटी, मगर उसके पहले का रिकॉर्ड बेहतर नहीं है। वैसे भी हार-जीत खेल का हिस्सा है, इसलिए पराजय पर हाय-तौबा की जरूरत नहीं होती। मगर ऑस्ट्रेलिया के खत्म हुए ताजा दौरे में बात सिर्फ यह नहीं है कि भारत ने 1-3 से सीरीज गंवा दी। बात टीम की अंदरूनी मुश्किलों की है, जिसका इज़हार खुल कर हुआ। पहले तो शृंखला के बीच में ही रविचंद्रन अश्विन रिटायरमेंट का एलान कर भारत लौट गए। उनके और उनके परिजनों से बयानों से साफ है कि अश्विन टीम में खुद को उपेक्षित और अपमानित महसूस कर रहे थे। अश्विन का रिकॉर्ड मैच विनर का रहा। पूरे टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में वे चंद गेंदबाजों में हैं, जिन्होंने 500 से ज्यादा विकेट लिए। भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले वे दूसरे खिलाड़ी रहे। ऐसे खिलाड़ी की बे-आबरू विदाई टीम प्रबंधन पर कलंक छोड़ गई। मगर बात वहीं तक नहीं रुकी। अंतिम टेस्ट मैच आते-आते तो हालात ऐसे बने कि कोच गौतम गंभीर ने कप्तान रोहित शर्मा को ही खेलने वाले 11 खिलाड़ियों से बाहर करने का अभूतपूर्व फैसला ले लिया। इसके बावजूद सिडनी टेस्ट में भारत की बुरी हार हुई। उसके साथ ही टीम के टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की बची-खुची उम्मीदें भी धूल में मिल गईं। अब हाल यह है कि टीम में रोहित के साथ-साथ विराट कोहली का भविष्य भी अनिश्चित हो गया है। मुश्किल यह है कि टेस्ट क्रिकेट का धीरज रखने वाले खिलाड़ी सामने नहीं आ रहे हैं। जो आते हैं, वे टीम प्रबंधन की गलत नीतियों का शिकार हो जाते हैं। यशस्वी जायसवाल को छोड़ कर एक भी नया खिलाड़ी नहीं है, जिससे लंबे भविष्य की उम्मीद जोड़ी जा सके। सरफराज में संभावनाएं हैं, मगर उनको मौका नहीं दिया गया। तो पूरी सीरीज में एकमात्र चमकता सितारा जसप्रीत बूमरा रहे। मगर एक खिलाड़ी पर निर्भरता टीम की दुर्दशा का ही संकेत है। कुल मिला कर यह शृंखला भारत को कठिन चौराहे पर छोड़ गई है।

आलेख

महिलाओं की सहभागिता और योगदान

मो. नजीब अहसन

21वीं सदी का यह दौर मानवता के इतिहास में एक ऐसा समय है, जब दुनिया भर में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन तेजी से हो रहे हैं। ऐसे में जब भी बात महिलाओं के अधिकारों और उनके सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक सशक्तिकरण की होती है, तो यह एक ऐसे संघर्ष की कहानी बयां करता है, जो सदियों से चली आ रही है। विश्व के कई देशों में आज भी महिलाएं समानता, स्वतंत्रता और अपने मौलिक अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ रही हैं। अलबत्ता इस वैश्विकी संघर्ष के बीच भारत ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नई इबारतें लिखी हैं और अनोखी पहचान बनाई है। इस लिहाज से भारत की चर्चा का खास महत्त्व है। महिलाओं की सहभागिता और योगदान ने यहां के पारंपरिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक ताने-बाने को मजबूती दी है। मौजूदा संदर्भ में बात करें तो भारत का परिदृश्य बदल चुका है। यह बदलाव केवल महिलाओं की स्थिति में सुधार नहीं, बल्कि समाज और देश की प्रगति के लिए एक नये युग की शुरु आत का संकेत है। भारत में महिला सशक्तिकरण की कहानी केवल संघर्ष और चुनौतियों तक सीमित नहीं है। यह वह समय है, जब भारतीय महिलाएं परंपरा और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए अपनी पहचान को नये सिरे से गढ़ रही हैं। इस दौर में जब वैश्विकी मंच पर महिला सशक्तिकरण की बातें हो रही हैं, भारत ने न केवल अपनी महिलाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया है, बल्कि यह दिखाया है कि बदलाव संभव है। एक ऐसा ही उदाहरण है, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) का ऑल-विमेन राफ्टिंग अभियान, जो एक प्रेरणादायक बदलाव का प्रतीक बनकर उभरा है। यह ऐतिहासिक पहल पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में महिलाओं की साहसिक दस्तक है, जो न केवल परंपराओं को चुनौती देती है, बल्कि नये आयाम भी गढ़ती है। उत्तराखंड के गंगोत्री से पश्चिम बंगाल के गंगा सागर तक 2,500 किलोमीटर की यात्रा न केवल साहसिक है, बल्कि प्रेरणादायक भी। यह अभियान उन्हें साहस, सामूहिकता और नेतृत्व की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ गंगा के प्रवाह को संरक्षित करना ही नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में उसकी पवित्रता और महत्ता की लौ जलाना भी है। गंगा, जो भारतीय जनमानस के लिए मात्र एक जलधारा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता का भी प्रतीक है। पर बीते दशकों में बढ़ते प्रदूषण और अतिक्रमण के कारण यह जीवनरेखा काफी चुनौतियों का सामना कर रही है। गंगा के किनारे रहने वाले हर नागरिक को यह समझने की आवश्यकता है कि उनकी छोटी-छोटी आदतें, जैसे प्लास्टिक का उपयोग बंद करना, गंगा के तटों की सफाई बनाए रखना और जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, गंगा के संरक्षण में बड़ा योगदान दे सकती हैं। गंगा और उसकी सहायक नदियों के कायाकल्प के इस संकल्प में महिलाओं की भागीदारी समाज को यह संदेश देती है कि नदी संरक्षण सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक पवित्र आंदोलन है। गंगा का संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों पर निर्भर नहीं हो सकता। यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अभियान के दौरान महिलाओं ने गंगा के किनारे बसे समुदायों के साथ बातचीत की और उन्हें जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराया। वेटलैंड्स का दौरा, घाटों पर संवाद, और जल संरक्षण पर आधारित क्विज़ जैसे कार्यक्रमों ने गंगा संरक्षण की दिशा में सामूहिक चेतना को बढ़ावा दिया। अभियान इस बात को भी रेखांकित करता है कि गंगा का संरक्षण केवल पर्यावरणीय सुधार नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के लिए भी आवश्यक है। जब हम गंगा को साफ रखने की बात करते हैं, तो इसका अर्थ केवल प्रदूषण को रोकना नहीं, बल्कि समग्र पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखना भी है। यह अभियान इस दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है। इस अभियान ने महिलाओं को एक नई पहचान दी है। इसके माध्यम से यह संदेश स्पष्ट है कि महिलाएं समाज में किसी भी भूमिका को निभाने में सक्षम हैं, चाहे वह नेतृत्व हो, संरक्षण हो या समाज में बदलाव लाने की जिम्मेदारी। महिला सशक्तिकरण केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है; यह समाज की प्रगति और स्थिरता का आधार भी है। अपनी रोमांचक यात्रा के दौरान, राफ्टिंग दल ने पांच राज्यों के विभिन्न जिलों में स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर नदियों के किनारों को संवारने का संकल्प लिया।

जारवा लोगों को मत का अधिकार मिला

प्रमोद भार्गव

आदिम जनजाति जारवा अंडमान-द्वीप समूह की एक प्रमुख जनजाति है। ये आज भी अर्ध-खानाबदोश आदिम जीवन-शैली जी रहे हैं। प्राकृतिक रूप में उपलब्ध वन-संसाधन ही इनके आजीविका के प्रमुख साधन हैं। स्थानीय प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े रहकर ये अपनी जीवन-शैली में मस्त हैं। जारवा लोग बाहरी संपर्क से अलग-थलग हैं। इसी कारण उनकी अनूठी सांस्कृतिक परंपरा और भाशा-बोली संरक्षित हैं। वे दक्षिणी और मध्य अंडमान द्वीप समूह के पश्चिमी समुद्री तटों पर रहते हैं। स्थानीय प्रशासन के तमाम प्रयासों के बाद अब इस जनजाति समूह को संवैधानिक लोकतांत्रिक धारा से जोड़े जाने की ऐतिहासिक पहल हुई है। इस समुदाय के 19 सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करके, उन्हें मतदाता पहचान-पत्र दिए गए हैं। अंडमान द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्रभूषण कुमार ने दक्षिण अंडमान जिले के जिरकाटांग स्थित बस्ती में पहुंचकर पहली बार मतदाता बने लोगों को पहचान-पत्र सौंपे। जारवा समुदाय की इन पहचान-पत्रों से भारतीय होने की नागरिकता सुनिश्चित हुई है। साथ ही यह उनकी निजता की रक्षा के लिए एक व्यापक उपाय भी है। इस कार्यवाही से उम्मीद जगी है कि भविष्य में इस द्वीप समूह के सभी लोग भारतीय नागरिक के रूप में मतदाता बना दिए जाएंगे। वरना एक समय इस द्वीप समूह में प्रवेश पाना मौत को आमंतग्रदेना था। इस कार्यवाही को पूरी करने में अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और सम्मानजनक तरीके से उनकी भाषा में चुनावी प्रक्रिया के बारे में जारवा समुदाय से संवाद करके उनके बीच जागरूकता पैदा करके इस प्रक्रिया को सुगम बनाया। जारवा समुदाय अंडमान द्वीप समूह के दक्षिण और मध्य तथा पष्चिमी समुद्री तटों पर रहते हैं। यह पूरा क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। इसे ही इस समुदाय ने अपने पारंपरिक जीवनशैली के अनुरूप ढाल लिया है। जारवा समुदाय के साथ पहला उल्लेखनीय दोस्ताना संबंध अप्रैल 1996 में हुआ था, जो बाहरी दुनिया के साथ उनके संपर्क में एक अहम मोड़ साबित हुआ। इस संबंध के लिए शायद प्रकृति ने ही घटनाक्रम रचा था। दरअसल, जारवा जनजाति के 21 वर्षीय एनमेई को अपने बाएं टखने में गहरी चोट आई थी। प्रशासन ने करु णा का परिचय देते हुए एनमेई का उदारतापूर्वक उपचार कराया और ठीक होने के बाद उन्हें सुरक्षित बस्ती में वापस भेज दिया। यहां से प्रशासन और समुदाय के बीच विश्वास का जो संवाद बना, उसने आज इस समुदाय के लोगों के भारतीय नागरिक होने के पहचान के रूप में मतदाता पहचान-पत्र सौंपने का मार्ग प्रशस्त किया। अन्यथा जारवा समूह से जो भी कोई संपर्क करने की सोचता था, उसे हिंसक टकराव का सामना करना पड़ता रहा है। दरअसल, जो लोग स्वयं को सभ्य और आधुनिक समाज का हिस्सा मानते रहे हैं, वही लोग प्राकृतिक अवस्था में रह इन लोगों को इंसान मानने की बजाय लगभग जंगली जानवर ही मानते रहे हैं। आधुनिक कहे जाने वाले समाज की यह एक ऐसी विडंबना है, जो सभ्यता के दायरे में कतई नहीं आती। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में रह रहे लुप्तप्राय जारवा प्रजाति की महिलाओं को स्वादिष्ट भोजन का लालच देकर सैलानियों के सामने नचाने के कुछ साल पहले वीडियो-दृश्य ब्रिटिश अखबारों में सिलसिलेवार छपे थे। इन्हें शासन-प्रशासन के स्तर पर झुठलाने कवायद की गई थी, परंतु यह ठोस हकीकत थी। अभयारण्य में दुर्लभ वन्य जीवों को देखने की मंशा की तरह, दुर्लभ मानव प्रजातियों को भी देखने की इच्छा नव-धनाढ्यों और रसूखदारों में पनप रही है, और जिस सरकारी तंत्र को आदिवासियों की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया था, वही इन्हें लालच देकर नचवाने का काम कर रहा था। इसी कुत्सित मानसिकता के चलते कुछ लोग जारवाओं को इंसानों की बजाए, मनोरंजक खिलौने भी मानते रहे हैं। आधुनिक विकास और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए वन कानून में लगातार हो रहे बदलावों के चलते अंडमान में ही नहीं देश भर की जनजातियों की संख्या लगातार घट रही हैं। आहार और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों की कमी होती जा रही है। इन्हीं वजहों के चलते अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में अलग-अलग दुर्गम टापुओं पर जंगलों में समूह बनाकर रहने वाली जनजातियों का अन्य समुदायों और प्रशासन से बहुत सीमित संपर्क है। यही वजह है कि इनकी संख्या घटकर महज 381 रह गई है। एक अन्य टापू पर रहने वाले ग्रेट अंडमानी जनजाति के लोगों की आबादी केवल 97 के करीब है। इन लोगों में प्रतिरोधात्मक क्षमता इतनी कम होती है कि ये एक बार बीमार हुए तो इनका बचना नामुमकिन हो जाता है। हालांकि अब इनकी प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ाने के लिए टीकाकरण करने और पौष्टिक खुराक देने के उपाय निरंतर किए जा रहे हैं। मतदान का अधिकार मिल जाने से तय है, यहां लोकतांत्रिक गतिविधियां भी कालांतर में बढ़ेंगी। करीब दो दशक पहले तक ये लोग पूरी तरह निर्वस्त्र रहते थे, लेकिन सरकारी कोशिशों और इनकी बोली के जानकार दुभाषियों के माध्यम से समझाइश देने पर इन्होंने थोड़े-बहुत कपड़े पहनने अथवा पत्ते लपेटने शुरू कर दिए हैं। भारत की सांस्कृतिक विविधता अनूठी खूबसूरती है। यहां विभिन्न आदिवासी समुदायों को अपने पुरातन व सनातन परिवेश में रहने की स्वतंत्रता हासिल है। हमारे देश के सांस्कृतिक परिवेश में नग्नता कभी फूहड़ अश्लीलता का पर्याय नहीं रही। पाश्चात्य मूल्यों और भौतिकवादी आधुनिकता ने ही प्राकृतिक व स्वाभाविक नग्नता को दमित काम-वासना की पृष्ठभूमि में रेखांकित किया है। वरना हमारे यहां तो खजुराहो, कोणार्क और कामसूत्र जैसे नितांत व मौलिक रचनाधर्मिता से स्पष्ट होता है कि एक राष्ट्र के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में हम कितनी व्यापक मानसिक दृष्टि से परिपक्व लोग थे।

यशोवर्मन को एशियन योग में कांस्य पदक

भूपिंदर सिंह

योग के नियमों का पालन करने के बाद अगर यौगिक क्रियाओं को किया जाता है तो मानव में शारीरिक-मानसिक स्तर पर आश्चर्यजनक रूप से अलौकिकता का सुधार होता ह योग जो भारतीयों का फ्टिनेस विज्ञान है, इसे अब प्रतियोगी खेल का रूप दिया जा चुका है। आने वाले समय में यह ओलंपिक खेलों में शामिल होने की क्षमता रखता है। हमीरपुर से निधि डोगरा व यशोवर्धन अत्री अपने प्रदर्शन से चर्चित हैं। यशोवर्धन अत्री एशियन योग चैंपियनशिप के लिए चयनित हुआ था। पिछले सप्ताह सिंगापुर में आयोजित एशियन योग चैंपियनशिप में हिमाचल के यशोवर्धन अत्री ने भारत के लिए कांस्य पदक जीत कर तिंरगे का मान बढ़ाया है। हिम अकादमी स्कूल का यह विद्यार्थी, खेलों से राजनीति में आए भाजपा के सचिव नरेंद्र अत्री का सुपुत्र है। योग से बढ़ कर सामान्य फ्टिनेस के लिए और कोई भी बराबर का कार्यक्रम नहीं है। यह सच है कि शहरीकरण से दैनिक जीवन में भौतिक सुख सुविधाओं का विकास हुआ है, मगर इस सबसे फ्टिनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगते हैं। जनमानस का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। दौड़ती-भागती जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नये-नये शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फ्टिनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है जो कम श्रम कर अधिक फ्टिनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों में

नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नही करता है तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है । ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य मन, वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह अपने स्वार्थ के लिए धन, संपति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी-मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कर्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना।

कॅरियर काउंसिलिंग में छात्र-छात्राओं ने सीखे कॅरियर बनाने के गुर

मुंबई से आए काउंसलर अशोक जैन ने कॅरियर काउंसलिंग में पांच सौ छात्र-छात्राओं को कैरियर संभारने के दिए टिप्स

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में मरीजों का परीक्षण कर दी दवाएं, आंखों के होंगे ऑपरेशन

ललितपुर (विश्व परिवार)। प्रगैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में प्रतिष्ठा पितामह पंडित गुलाब चंद्र पुष्प की स्मृति में जहां निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया, वहीं कक्षा 10, 11 एवं 12वी के छात्रों की कॅरियर काउंसलिंग की गई।

नवागढ़ तीर्थक्षेत्र कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय ने बताया कि काउंसलिंग में यूपी के महरौनी ब्लाक एवं एमपी के बड़ागांव तहसील एवं घुवारा तहसील के पांच सौ छात्र- छात्राओं ने हिस्सा लिया। कैरियर काउंसलर के रूप में मौजूद अशोक जैन मुंबई ने छात्र छात्राओं को अपने करियर लक्ष्य को प्राप्त करने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। कांउसलर अशोक जैन ने इच्छा और करियर लक्ष्य को समझने के विभिन्न तरीकों से विद्यार्थियों को परिचित कराया, ताकि गलत लक्ष्य निर्धारित करके बाद में पछताना न पड़े।

अनुष्ठान : उधर तीर्थक्षेत्र नवागढ़ जी में सुबह से जाप अनुष्ठान, भगवान का अभिषेक, शांतिधारा करने के बाद विघ्न विनाशक भगवान अरनाथ विधान संगीत के साथ संपन्न किया गया।

मुनिश्री का मिला सान्निध्य : नवागढ़ जी में आयोजित कार्यक्रम मुनि श्री प्रवरसागर जी महाराज, छुल्लक श्री नयसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में आयोजित किया गया।

काउंसलर अशोक जैन ने दिए टिप्स : काउंसलर अशोक जैन मुंबई ने 10वी से 12वी के छात्र -छात्राओं को आगे बढ़ने एवं भविष्य संभालने के टिप्स देते हुए कहा कि कैरियर काउंसलिंग एक ऐसी सेवा है जिसका उद्देश्य छात्रों को अपना कैरियर शुरू करने, बदलने या आगे बढ़ने में मदद करता है, इसके साथ ही उन्होंने छात्रों को बेहतर तरीके से समझाइस दी और छात्रों ने भी काउंसलिंग में रुचि दिखाई। 4 घंटे तक काउंसलिंग चली।

स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर : इस मौके पर निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर लगाया गया जिसमें डॉ नरेंद्र जैन, टीकमगढ़, डॉ. मुन्नालाल जैन, ललितपुर, डॉ. सन्मति जैन, सागर, डॉ. अर्चना जैन, डॉ. लतिका खरे, टीकमगढ़, डॉ. प्रशांत जैन, डॉ. अभिनीत यादव, बड़ागांव, डॉ. भारत, गुढ़ा एवं डॉ. उमेश जैन ने अपनी सेवाएं दी। शिविर में विभिन्न रोगों के पांच सौ मरीज पहुंचे, जिनका स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दी गई।

निःशुल्क चश्मा वितरण : इसके साथ ही जरूरतमंदों को निशुल्क चश्मा भी वितरण किए गए। उक्त आयोजन दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र कमेटी, नवागढ़, गुरुकुलम ट्रस्ट एवं पंडित गुलाब चंद्र पुष्प स्मृति ट्रस्ट के द्वारा आयोजित कराया गया।

कार्यक्रम में निर्देशक ब्र. जयकुमार निशांत भैया, अध्यक्ष एडवोकेट सनतकुमार जैन, महामंत्री वीरचंद जैन पूर्व प्रधान नेकौरा, उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जैन, सुनील वैद्य, धीरेंद्र सिंघई, पंडित मनीष जैन, प्रसन्न चौधरी, पंडित इंद्र कुमार, सुरेंद्र जैन सोजना, अशोक जैन मैनवार, डॉ. प्रदीप जैन छतरपुर, संदीप जैन, सोमचन्द्र जैन आदि का विशेष योग्दान रहा। इस मौके पर डॉ. नरेन्द्र जैन गाजियाबाद, पूर्व प्रधानाचार्य प्रताप सिंह परिहार, शैलेन्द्र सिंह आदि प्रमुख रूप से मंचासीन रहे।

आयोजन के पश्चात नानकचंद्र, श्रीमती विमला जैन एवं परिवार महेंद्रू एनक्लेव दिल्ली के सौजन्य से वात्सल्य भोजन कराया गया। संचालन वीरचन्द्र जैन ने किया।

सपने एक दिन में पूरे नहीं होते उनके लिए निरंतर प्रयास करें : मुंबई से आए सुप्रसिद्ध कॅरियर काउंसलर अशोक जैन ने कहा कि जीवन में उच्च लक्ष्य और पॉजिटिव एटीट्यूट होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सपने एक दिन में पूरे नहीं होते उनके लिए निरंतर प्रयास करने पड़ते हैं। हमें यह तो पता है कि हमें क्या बनना है, लेकिन कैसे बनना यह मालूम नहीं है। उन्होंने छात्रों को बताया कि आपकी लाइफ में महत्वपूर्ण क्या है, यह जानना बहुत जरूरी है। उन्होंने बच्चों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी से संबंधित जानकारी देते हुए बताया कि हम जब किसी शादी विवाह, समारोह में जाते हैं तो अपने आप को सजा-संवारकर जाते हैं। इसी प्रकार जब हम बोर्ड परीक्षा देते हैं तो हमारी कापी भी इसी प्रकार विशेष प्रकार से सुसज्जित होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों के अनेक प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी करियर और सफलता संबंधी अनेक दुविधाओं को दूर किया।

जिला जेल में कैदियों को माताजी ने दिया उपदेश, कहा- पुलिस डन्डे से संत झंडे से सुधारते हैं

हथकरघा के माध्यम से कैदीयों के आश्रितों को भी मिले रोजगार : विजय धुर्रा

अशोक नगर (विश्व परिवार)। पुलिस प्रशासन डन्डे से सधुराते है तो संत झन्डे से सुधारते हैं आप पर सतत् निगरानी रखकर आपके जीवन को अच्छा बनाने के लिए सरकार कितना काम करतीं हैं सुधरना तो पड़ेगा अच्छा है कि कर्म की मार के पहले ही आप अपने जीवन को अच्छा बना लें नारायण श्री कृष्ण जी का जन्म भी जेल में हुआ था जेल बुरी नहीं है बुरी बात तो है जेल में मरना हमें इस संसार को बुराईयों के साथ नहीं बुराईयों से दूर रह कर छोड़ना हैं उक्त आश्य केउद्गार जिला जेल में आर्यिका रत्न श्री सृष्टि भूषण मति माता जी ने व्यक्त किए।

इसके पहले आज दोपहर बाद आर्यिका संघ गंज मन्दिर से जिला जेल भवन पहुंचे जहां जिला जेल प्रमुख श्री सिद्दकी के साथ जैन समाज राकेश कासंल उपाध्यक्ष अजित वरोदिया महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य कोषाध्यक्ष सुनील अखाई थूवोनजी के पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई गोसेवक सोनू जैन ने माता जी के संघ की आगवानी कर आचार्य श्री के चित्र का अनावरण कर दीप प्रज्जवलन किया।

आपके सौभाग्य से इन तपस्वी संतो का आगमन हुआ है : इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आज आर्यिका रत्न श्री सृष्टिभूषण मति माता जी ससंघ अशोक नगर जेल में कैदियों के अपना आशीर्वाद देने आई है उनके श्री मुख से जीवन सुधरने के सूत्र भी मिलेंगे इस दौरान पूर्व महामंत्री विपिन सिंघई ने कहा कि माता जी दो किलोमीटर पैदल चलकर आप सभी का कल्याण हो इस हेतु आई है आप लोगों को माता जी की को मां का आशीर्वाद समझ कर आपने अपने जीवन में लाना है कोई जन्म से अपराधी नहीं होता गलती हो जाती है और उसका पसंचातप इसे सुधारा जा सकता है

माता जी सुन्दर उपदेश हमे सतत् प्रेरणा देंगे- जेलर सिद्दीकी : इस दौरान जिला जेलर ए आर सिद्दकी ने कहा कि सभी चहेते हैं हमारा देश अपराध से मुक्त हो हम सभी चाहते हैं कोई किसी भी प्रकार के गलत काम ना करें और नियम कायदों का पालन हो आज हमारे बीच आर्यिका माता जी आई इतना सुन्दर उपदेश हमे सब को सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जो संतों की मनसा है हम सब भी बही चाहते हैं आज का दिन बहुत ही शुभ है जो ऐसी तपस्वी साध्वी जी का सान्निध्य हमें मिल रहा है इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष अजित वरोदिया महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारिल्य जेलर ए आर सिद्दकी जैन समाज की ओर से सम्मानित किया इस दौरान सभी कैदियों को फल व बस्त्र वितरित किए गये।

आगे ऐसा नहीं करेंगे ये प्रतिज्ञा लें- माताजी सभी नागरिकों का पहला कर्तव्य है कि सभी क़ानून का पालन करें जिसने गलती की है उसे कानून के अनुसार चलना लेकिन एक प्रतिज्ञा सभी को करना है आगे जीवन में ऐसी ग़लती ना हो सम्प्रदाय कैदी हैं इंसानियत के लिए किसी धर्म सम्प्रदाय की आवश्यकता नहीं होती जहां इसान है बह इंसानियत होना चाहिए यदि आप से अपराध हुआ है तो सबसे पहले उसके प्रति गिलानी भाव होना चाहिए आपको दुश्मनी नहीं अंदर की दुश्मन को खत्म करना है उन्होंने कहा कि मरने वाला तो तत्काल मर जाता है लेकिन मारने वाला तिल तिल कर मरता है और उधर उसका पूरा परिवार अपराध की सज़ा भोगता है इसलिए जीवन में कभी कोई गलत काम ना करें जिससे जग हंसाई हो जगत में आयें हो तो कुछ अच्छा काम अवश्य करना इस दौरान विक्की भ इया राजू पिपरई सहित अन्य प्रमुख जन उपस्थित थे।

रुकडी पंचकल्याणक में दिगंबराचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के सानिध्य में होगी उपनयन संस्कार विधी : मुनि श्री सिद्धसागर जी

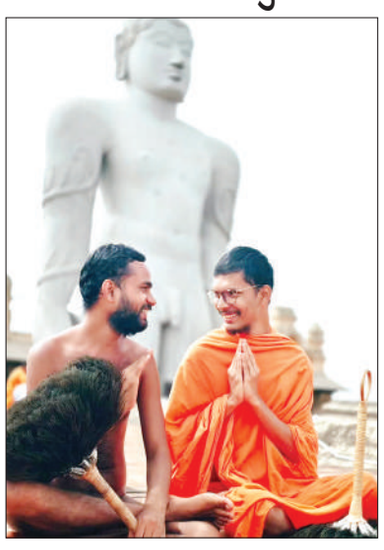

रुकडी (विसं)। रुकडी पंचकल्याण महोत्सव में जैनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि ज्ञान के बिना परमात्मा और आत्मा की परिकल्पना भी नहीं कर सकते। जिस व्यक्ति के पास ज्ञान है वो कभी भी उग्र नहीं हो सकता। वह शीतल जल के सामान शांत रहता है।

दिगंबराचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी के शिष्य मुनि श्री सिद्धसागर जी महाराज ने कहा की, कल 22 जनवरी 2025 को अध्यात्म सरोवर के राजहंस दिगंबराचार्य विशुद्धसागर महाराज जी के सानिध्य में कल रुकडी पंचकल्याणक में होगी उपनयन संस्कार विधी।

दिगंबराचार्य विशुद्धसागर महाराज जी के शिष्य मुनि श्री सिद्धसागर जी महाराज ने कहा की भगवान आदिनाथ जी ने अपने पुत्र भरत का उपनयन संस्कार अपने हाथों से किया था। इससे ही प्रमाणित हो जाता है कि एक श्रावक के लिए उपनयन संस्कार का कितना महत्व है। शास्त्रों के अनुसार बच्चा जब आठ साल का हो जाता है, तब उसका उपनयन संस्कार किया जाता है।

उपनयन संस्कार के साथ ही बच्चे के लिए नियम हो जाता है कि अब वह अष्टमूलगुणों का पालन करे। इसके पहले भी उसका त्याग था लेकिन उस त्याग को निभाने की जिम्मेदारी माता-पिता की थी। अब उपनयन संस्कार के बाद बच्चे की स्वयं जिम्मेदारी होती है कि वह इसका पालन करे। अष्टमूलगुण का मतलब मद्य, मांस, मधु, बड़, पीपल, पाकर, ऊमर, कठूमर का जीवन भर के लिए त्याग करना है।

मुनि श्री सिद्धसागर जी महाराज ने कहा की जैन संस्कृति में उपनयन संस्कारों की महिमा अपरंपार है। उपनयन संस्कार के बिना श्रावकों को पूजन, अभिषेक और आहार का अधिकार नहीं है। जनेऊ को संस्कृत में यज्ञोपवीत कहते हैं। इसे धारण करने के संस्कार को उपनयन संस्कार कहते हैं।

जैन संस्कृति में जैन श्रावकों के लिए उपनयन संस्कार का अत्यधिक महत्व है।

-अभिषेक अशोक पाटील

मोक्षकल्याणक के साथ नगर में मुनि श्री समतासागर जी ससंघ तथा आर्यिका निष्काम मति माताजी एवं सौम्यमति माताजी के सानिध्य में निकाली गई विशाल शोभायात्रा

वारासिवनी (विश्व परिवार)। मोक्षकल्याणक के साथ वारासिवनी नगर में मुनि श्री समतासागर महाराज ससंघ तथा आर्यिका निष्काम मति माताजी एवं आर्यिका सौम्यमति माताजी के सानिध्य में विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। नगर में स्थान स्थान स्वागत गेट लगाऐ गये थे एवं सड़क के दौनों ओर रांगोली की गई थी एवं स्थान स्थान पर जैन समाज ही नहीं वल्कि जैनेतर समाज एवं जनप्रतिनिधियों ने मिलकर इस आयोजन का स्वागत किया।

इस अवसर पर निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर महाराज ने कहा कि आज पंचकल्याणक महामहोत्सव के अवसर पर युगादि पुरुष भगवान आदिनाथ को प्रतीक मानकर यह पंच कल्याणक महा महोत्सव संपन्न हुआ, बे इस तरह उठे कि आसमान बन गये,सारे जंहा के बास्ते ईमान बन गये,हम पास उनके रहके,आदमी न बन सके बो इंसान से भगवान बन गये भारत विभिन्नताओं का देश है विभिन्न जातियों के पुष्प इस बगीचे में लगे हुये है जो अपनी खुशबू से अनेकता में एकता का संदेश दे रहे है,जब कोई बीमारी आती है तो वह समुदाय देखकर नहीं आती और न ही किसी समुदाय विशेष को दूर करने के लिये विशेष औषधि हुआ करती है,उन्होंने प्रशासन, नगर पालिका तथा जनपद पंचायत एवं सभी जन प्रतिनिधियों को आशीर्वाद देते हुये वारासिवनी नगर की सभी जैन एवं जैनेत्तर समाज को आशीर्वाद देते हुये कहा कि जैसे व्यक्ती कब हिंसक हो जाऐ पता नहीं लगता उसी प्रकार मन पर कब पाप हांवी हो जाऐ यह पता नहीं लगता, धार्मिक आयोजन हमारे पापों का प्रछालन करने के लिये होते है।जैसे कींचड़ को धोने के लिये साफ पानी का सहारा लिया जाता है उसी प्रकार हमारे मन की विक्रतिओं को मिटाने के लिये इस प्रकार के धार्मिक आयोजन होते है।मुनि श्री ने समाज को सम्वोधित करते हुये कहा कि पिछले पांच दिनों से आप सभी लोग लगातार अपनी सभी सुविधाओं को छोड़कर प्रतिकूल स्थिति में भी धर्म की आराधना कर रहे थे जब हमने वारासिवनी में एक जनबरी 2025 को प्रवेश किया तो यंहा पर तीव्र शीत की लहर थी और छोटे छोटे बच्चों से लेकर अवाल बृद्ध सभी लोगों ने देव शास्त्र और गुरु के प्रति अपना समर्पण दिखाया तथा भक्ती में लगे रहे, भगवान को जैसे ही कैवल्यज्ञान हुआ और उनका समवसरण लगाऔर मौसम में परिवर्तन आ गया शीत के स्थान पर उष्णता आ गई मुनि श्री ने कहा कि कल्पना करो कि जब आप लोगों को कृत्रिम समवसरण में इतने आनंद की अनुभूति हो रही है तो विचार कीजिये कि साक्षात भगवान के समवसरण में बैठोगे तो कितना आनंद आऐगा? भगवान तो चार घातिया तथा चार अघातिया रुपी आठ कर्मों से मुक्त होकर भगवान बन गये मुनि श्री ने सभी बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुये कहा कि मुझे यह देखकर प्रसन्नता हुई कि छोटे छोटे बच्चे भी अभिषेक कर रहे है तथा गुरुओं के पास जाकर अपनी भाषा में बातें कर रहे है। उन्होंने कहा कि जन्म कल्याणक के दिन आहार दैनै बालों की इतनी अधिक लाईन थी कि कंहा से लोग आ रहे थे और भगवान को आहार दान दे रहे थे। उन्होंने कहा प्रात:कालीन बेला में अष्टापद कैलाश पर्वत से भगवान आदिनाथ स्वामी 14 दिनों तक योग निरोध कर साधना करते रहे और भरत चक्रवर्ती भी छै खंडों का राजपाट छोड़कर उपवास के साथ उनकी पूजा करता रहा और सौधर्म इंद्र बराबर उनको देखता रहा।आप सभी लोगों ने मोक्ष की समस्त क्रियायें देखी किस प्रकार से प्रतिष्ठाचार्य बाणी भूषण विनय भैया ने समस्त क्रियाओं को विधी विधान पूर्वक संपन्न कराया हमारे साथ हमारे ऐलक निश्चय सागर जी तथा ऐलक निजानंद सागर महाराज सहित आर्यिका निष्काम मति माता जी एवं सौम्यमति माताजी संघ का पूरा सहयोग रहा उन्होंने कहा कि आप लोगों ने देखा कि जैसे ही भगवान को मोक्ष हुआ कि शरीर कपूर की भांति उड़ गया और अग्नी कुमार देवों ने आकर नख और कैश का अग्नि संस्कार किया। इसका आशय यह है कि शरीर नष्ट होकर द्रव्य कर्म भाव कर्म नष्ट होकर आत्मा शुद्ध और निर्मल होकर भाव कर्म नौ कर्म से मुक्त होकर सिद्ध परमात्मा लोक के अग्र भाग में जाकर विराजमान हो गये। प्रवक्ता अविनाश जैन एवं प्रचार प्रमुख दीपक जैन ने बताया शोभायात्रा में तीन हाथी तीन रथ अश्वरथ चल रहे थे सभी नव प्रतिष्ठित जिनविंव को नवीन जिनालय में विराजमान किया गया समस्त हिंदू समाज, मुस्लिम समाज ,एवं बालाघाट विधायिका अनुभा गुंजारे एवं समस्त जन प्रतिनिधिओं ने आयोजन स्थल पर पधार कर भव्य शोभायात्रा का स्वागत किया एवं मुनि श्री ने सभी को आशीर्वाद दिया।

नवनिर्मित पाषाण के जिनालय के शिखर पर ऐलक द्वय द्वारा शिखर एवं ध्वजारोहण कार्य को संपन्न किया गया तथा महोत्सव समिति के अध्यक्ष संजय कांसल ने सभी जन प्रतिनिधिओं तथा प्रशासन नगर पंचायत के सी.ओ बालाघाट की विधायिका तथा कार्यक्रम में पधारे गोटेगांव, गोंदिया, सिवनी,बालाघाट ,नागपुर आदि नगरों से पधारे श्रावक बंधुओं का सकल दिगम्बर जैन समाज वारासिवनी की ओर से आभार व्यक्त किया। **-अविनाश जैन**

मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने कहा- छोटे वच्चो को संस्कार देने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है

एसपी विनीत कुमार के डीआईजी बनने पर सागर जैन समाज ने किया अभिनंदन

अशोक नगर (विश्व परिवार)। बच्चे को तभी तक संस्कार दो जब वो तुम्हारी गोदी में आता है, जब तक वो तुम्हारे पास आता हैआज वच्चो के माता पिता को नौकरी करने, टीवी देखने, घूमने का तो समय है, सारे काम अपने समय पर करना चाहते हैं लेकिन छोटे बच्चों के लिए समय नही है छोटे बच्चों के लिए समय नहीं दोगे तो संस्कार कहा से आयेंगे वैसे भी छोटे बच्चों को संस्कार देने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है जब तुम बच्चों के लिए समय नहीं दोगे तो बच्चे तुम्हारे लिए समय कैसे देंगे? बच्चों को जन्म देने के बाद हर पिता के लिए भगवान का अभिषेक अपने लिए नहीं, अपने बेटे के लिए करना चाहिए। 8 वर्ष तक बेटे को अपने हाथ से गंधोदक लगाना चाहिए।

फिर देखना आपका क्या चमत्कार करता है उसका भविष्य कितना अच्छा वनता है अपने बेटे के लिए कुछ करो तो आगे चलकर तुम्हारे लिए बह काम करेगा तुमने बेटे के लिए क्या किया है, क्या संस्कार दिया है संस्कार जीवन की पूंजी है उक्त आश्य केउद्गार मोराजी सागर में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

सागर से लौटकर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि एस पी विनीत कुमार जैन ने आज सागर पहुंच कर परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया इस दौरान उन्होंने कहा कि आज उच्च शिक्षा से कहीं अधिक प्राथमिक शिक्षा को गुणवत्ता पूर्ण बनाने की आवश्यकता है जैन समाज को उच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए आगे आना चाहिए परम पूज्य गुरुदेव आपके आशीर्वाद से देशभर में अनेक संस्थाओं द्वारा शिक्षा के विस्तार हेतु कार्य किया जा रहा है इस बुंदेलखंड को भी ऐसे सौगात मिले तो यहां के बच्चे भी कमाल देखिए।

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि एस पी सहाब अशोक नगर में घूल मिल गये आपके पिता जी व माता जी प्रतिमा धारी व्रति श्रावक के रूप में साधना रत है ये पूज्य गुरुदेव जिज्ञासा समाधान के माध्यम से कई बार अपने विकल्पों को शांत कर लेते हैं। **-विजय धुर्रा**

रामगंजमंडी के अभिषेक जैन लुहाड़िया जोधपुर में अन्नपूर्णा सेवा सम्मान से हुए सम्मानित

जोधपुर (विश्व परिवार)। अहिंसा क्रांति समाचार पत्र के सौजन्य आयोजित मा अन्नपूर्णा सेवा सम्मान समारोह रविवार की बेला में जोधपुर में प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र पर हुआ। इस आयोजन में जाने माने समाज सेवी श्रीमान कमलवैद विशाखापट्टनम मुख्य अतिथि के रूप में रहे एवं उन्हीं के साथ श्रीमान सुरेंद्र मेहता, देवेंद्र गेलडा, अन्नपूर्णा सेवा संस्थान के प्रमुख दीपक प्रधान गैलेक्सी क्लीन ऑफ़ इंडिया सुश्री सिद्धि जोशी के साथ अहिंसा क्रांति के प्रमुख श्रीमान सुरेंद्र मुणोत रहे। इस अवसर पर रामगंज मंडी के श्रीमान अभिषेक जैन लुहाड़िया को पत्रकारिता एवम समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु मां अन्नपूर्णा सेवा सम्मान प्रदान किया गया। यह पुरस्कार अन्नपूर्णा सेवा संस्थान धामनोद के सौजन्य से प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें श्रीमान कमल वेद एवम अतिथियों के द्वारा प्रदान किया गया। इसी के साथ अहिंसा क्रांति के प्रमुख श्रीमान मुकेश नाहर, अभिषेक जैन ने उनका सरोपा माला पहनाकर स्वागत किया। यह दूसरा अवसर है जब अहिंसा क्रांति के द्वारा लुहाड़िया सम्मानित हुए है। इससे पूर्व समारोह वर्ष 2024 में 7 जनवरी को जोधपुर में संपन्न हुआ था। श्री लुहाड़िया को पुरस्कार एव सम्मान मिलने पर सभी नगर वासियों ने हर्ष जताया एवं उनकी अनुमोदना की।

समाज गौरव सम्मान से सम्मानित हुए नवाचारी शिक्षक हेमन्त साहू

अभनपुर (विश्व परिवार)। रविवार को अभनपुर में तहसील साहू समाज युवा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में राजिम भक्तिन माता जयंती के उपलक्ष्य में समाज गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमे समाज में विभिन्न क्षेत्रों उत्कृष्ट कार्य करने समाज के लोगों को विधायक इन्द्रकुमार साहू व समाज के पदाधिकारयो ने सम्मानित किया गया। जिसमें अभनपुर के नवाचारी शिक्षक हेमंत कुमार साहू को शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार व साइंस माडल निर्माण में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतीक चिन्ह भेंटकर समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

ज्ञात हो कि शिक्षक हेमन्त साहू विगत अनेक वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नवाचार एवं विज्ञान विषय पर अनेक मॉडल एवं प्रोजेक्ट बनाकर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने में मार्गदर्शक शिक्षक के रूप उल्लेखनीय योगदान दिया है।

इनके मार्गदर्शन में अभनपुर के छात्रों ने अनेक बार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाए है।हाल ही में राष्ट्रीय स्तर पर बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी हरियाणा एवं इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल गुवाहाटी में शामिल हुए थे। वही शिक्षक हेमंत को समाज गौरव सम्मान मिलने पर साहू समाज के परिक्षेत्र अध्यक्ष भोजराम साहू, संरक्षक राघवेंद्र साहू, सचिव टेकचंद साहू, उपाध्यक्ष पवन गुरुपंच, डॉ.सुखदेव साहू, डोमेन्द्र कुमार साहू, हेमलता साहू, मृत्युंजय साहू, घासू राम साहू, एल.एन.साहू सहित समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दिए हैं।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 21 जनवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

झोपड़ी में गांजा बेच रहा था युवक, पुलिस ने दबोचा

धमतरी(विश्व परिवार)। पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियो को अवैध शराब, गांजा एवं संदिग्ध व्यक्तियो की चेकिंग कर वैधानिक कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये गए हैं। जिस लगातार संदिग्ध व्यक्तियों एवं अवैध शराब एवं अवैध कारोबारियों पर सतत् नजर रखी जा रही है। इसी तारतम्य में थाना कुरूद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि प्रदीप हॉस्पिटल रोड ओवर ब्रिज के पास छोपड़ी कुरूद में एक व्यक्ति द्वारा मादक पदार्थ गांजा बिक्री करने की सूचना पर कुरूद पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए सूचना के आधार पर रेड कि कार्यवाही कर संदेही को गांजा बिक्री करते रंगे हाथ गवाहों के समक्ष पकड़ा गया जिससे नाम पता पूछा गया जो अपना नाम जीतु यादव पिता .स्व.सेवक राम यादव उम्र 47 वर्ष साकीन रेल्वे स्टेशन पारा कुरूद,जिला धमतरी का रहने वाला बताया जिससे मादक पदार्थ को उपस्थित गवाहों को तस्दीक कराया गया जो मनोउत्तेजक मादक पदार्थ गांजा होने से कुल वजनी 800 ग्राम का होना पाया गया जो किमती लगभग 8000/- रूपये एवं बिक्री रकम 970/- रूपये कुल 8970/- रूपये को सील बंद कर गवाहों के समक्ष जप्त किया गया एवं आरोपी के विरुद्ध थाना कुरुद में अप0क्र018/25 धारा 20 (बी) नारकोटिक एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

तीन ईनामी नक्सली चढ़े पुलिस के हत्थे

सुकमा(विश्व परिवार)। जिले में नक्सलवाद के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. जिले के थाना चिंतागुफा क्षेत्र में पुलिस ने 2 ईनामी नक्सली समेत कुल 3 माओवादियों को धर दबोचा है. गिरफ्तार नक्सलियों में से 1 नक्सली पर 2 लाख रुपये और 1 नक्सली पर 1 लाख रुपये का इनाम था. गिरफ्तार नक्सली साल 2024 में दुलेड़ के पास हुए एक पीकअप वाहन लूटपाट और वाहन में आग लगाने की घटना में शामिल थे. चिंतागुफा पुलिस बल और डीआरजी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए इन्हें गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, दक्षिण बस्तर डिवीजन के नक्सलियों के खिलाफचलाए जा रहे उन्मूलन अभियान के तहत, 16 जनवरी 2025 को थाना चिंतागुफा से जिला बल और डीआरजी की संयुक्त पार्टी दुलेड़, मेटागुड़ा, एर्रनपल्ली और आसपास के जंगल क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थी. इस दौरान, दुलेड़ के जंगल क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को देखा गया, जो पुलिस पार्टी को देखकर भागने लगे. पुलिस ने घेराबंदी कर तीन संदिग्धों को पकड़ा, जो बाद में नक्सली निकले. पुलिस की पूछताछ में नक्सलियों ने बताया वे दुलेड़ में पीकअप वाहन से लूटपाट आगजनी घटना समेत जिले में हुई अन्य नक्सली घटनाओं में भी शामिल थे. इस घटना के संबंध में थाना चिंतागुफा में पहले ही अपराध क्रमांक 03/2024 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था।

शिक्षण संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्रों में होता है बच्चों का समग्र बौद्धिक विकास : कलेक्टर

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने शैक्षणिक संस्थानों और आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला और आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा करते हुए शिक्षा व्यवस्था, पेयजल सुविधा और अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुधारने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि शिक्षण संस्थानों और आंगनवाड़ी केंद्रों में पढ़ाई के साथ ही बच्चों के समग्र मानसिक और बौद्धिक विकास का आधार होता है। उन्होंने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष जोर देने को कहा। कलेक्टर ध्रुव ने शासकीय प्राथमिक शाला पटेलपारा का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल में मूलभूत व्यवस्थाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों को नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और वैकल्पिक व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। कक्षा में बच्चों के साथ बातचीत कर उनकी पढ़ाई की स्थिति का आंकलन किया और शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्र पटेलपारा में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ध्रुव ने स्मार्ट क्लास की सुविधा प्रारंभ करने के निर्देश दिए ताकि बच्चों को डिजिटल माध्यम में सीखने का अवसर मिले। उन्होंने आंगनबाड़ी में बच्चों के जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की जानकारी ली और बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केंद्र में बच्चों को बेहतर पोषण और शिक्षा प्रदान पर जोर दिया गया। भेलवापाल स्थित शासकीय माध्यमिक शाला का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने शाला त्यागी बच्चों की जानकारी ली। उन्होंने स्कूल में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पालकों के साथ बैठक कर विशेष प्रयास करने को कहा। मध्यान्ह भोजन की जायजा लेते हुए, भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूल परिसर में किचन गार्डन शुरू करने के निर्देश दिए।

बीहड़ क्षेत्र के ग्राम मातला ब में जिला प्रशासन ने लगाया जनसमस्या निवारण शिविर

ग्रामीणों से मिले 107 आवेदन

कांकेर(विश्व परिवार)। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन आज अंतागढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत मातला ब में किया गया, जहां ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को लेकर कुल 107 आवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शिविर में जिला स्तरीय अधिकारियों के स्टॉल लगाकर विभागीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। शिविर में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने कहा कि अंतागढ़ विकासखंड का यह दूरस्थ और बीहड़ क्षेत्र में स्थित मातला ब में जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीणों की समस्याएं और मांगों से अवगत होने जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया है। ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जरूर उठाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि इस दूरस्थ क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा सहित मूलभूत आवश्यकताओं पर केंद्रित योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन करना शासन की पहली प्राथमिकता है। शिविर में ग्रामीणों को जनपद पंचायत अंतागढ़ के अध्यक्ष बद्रीनाथ गावड़े और अपर कलेक्टर बी एस उईके ने भी संबोधित किया। इस दौरान अतिथियों के द्वारा बुधनी बाई और मानकी कावड़े की गोद भराई रस्म कराई गई तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा 04 हितग्राही को छड़ी वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में ग्रामीणों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराकर आवश्यकतानुसार नि:शुल्क औषधि प्राप्त की। इसके अलावा अन्य विभागों के द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्रतानुसार उनका लाभ लेने की अपील की। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्यामा पट्टावी, जनपद उपाध्यक्ष भुवन लाल जैन, जनपद सदस्य जुगेर कोमरा, लक्ष्मण उसेंडी, सरपंच मातला ब कामो बाई पोटाई सहित आसपास के ग्रामों के जनप्रतिनिधिगण और काफी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कम पानी उपयोग से अधिक लाभ अर्जित करने वाली फसलों से किसानों को करें जागरूक - कलेक्टर

कृषि के क्षेत्र में उपयोग किए जा रहे पानी का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करना आवश्यक

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं मत्स्यपालन विभाग की भौतिक, वित्तीय प्रगति एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने जिले में घटते हुए जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों को कम पानी उपयोग वाली अधिक लाभकारी फसलों की खेती के लिए किसानों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में उपयोग किए जा रहे पानी का विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करना आवश्यक है। जिले में मक्का, दलहन, तिलहन एवं सब्जी, फल जैसी फसलों की खेती का रकबा बढ़ाने कहा। जिससे किसानों को खेती-किसानी में अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रगतिशील किसान जो कम पानी उपयोग वाली फसलों के उत्पादन से अधिक आमदानी अर्जित कर रहें हैं उन्हें अन्य किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यक्रम एवं संगोष्ठियां आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीज की उपलब्ध के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सही समय में पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध हो जाना चाहिए। किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। किसानों को सही समय पर पर्याप्त मात्रा में कम पानी उपयोग वाली बीज उपलब्ध होने से किसानों को सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि बीज उत्पादन कार्यक्रम प्रचलित फसलों की खेती तुलना में आर्थिक रूप से अधिक लाभकारी है। बीज उत्पादन के क्षेत्र में स्वावलंबी बनाने के लिए धान के अलावा दलहन, तिलहन एवं अन्य फसलों की खेती का विस्तार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि वृक्षारोपण में वृहद स्तर पर नीम के पौधे रोपे जाएंगे। उन्होंने नीम के पौधे तैयार करने के लिए नर्सरी तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कृषि एवं उद्यानिकी फसलों के उत्पादों में उपयोग किए जा रहे हानिकारक रासायनों के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ी है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने पधुधन विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों पर असंतुष्टि जाहिर करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य करें और लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैकयार्ड कुक्कुट ई-वितरण, बकरा वितरण, सांड वितरण, उन्नत मादा वत्स पालन, राज्य डेयरी उद्यमिता विकास के भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कृत्रिम गर्भाधान एवं टीकाकरण योजना में लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन ने जगत राम की बदली जिंदगी

सुकमा(विश्व परिवार)। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने सुकमा निवासी जगत राम यादव की जिंदगी बदल दी। कोरोना लॉकडाउन के दौरान आर्थिक संकट से जूझ रहे जगत राम आज एक सफल व्यवसायी बन गए हैं। यह सब संभव हो सका है छत्तीसगढ़ सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की बदौलत। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) का मकसद, शहरी गरीबों को कौशल विकास और रोज़गार के अवसर मुहैया कराना है। इस मिशन के तहत, शहरी गरीबों को स्वरोज़गार के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हाट-बाजारों में सब्जी बेचकर जीवनयापन करने वाले जगत राम का व्यवसाय लॉकडाउन के दौरान पूरी तरह से ठप पड़ गया था। व्यवसाय को दोबारा शुरू करने के लिए उनके पास पूंजी नहीं थी। ऐसे मुश्किल समय में नगर पालिका परिषद सुकमा की सर्वेक्षण टीम ने उनकी मदद की और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत आवेदन करने में उनकी सहायता की। जगत राम ने स्वनिधि योजना के तहत 10 हजार रुपये का पहला ऋण प्राप्त किया। इस राशि से उन्होंने अपना सब्जी का व्यवसाय फिर से प्रारंभ किया। इसके बाद, उन्होंने योजना की दूसरी और तीसरी किश्त के तहत क्रमश: 20 हजार रुपये और 50 हजार रुपये का ऋण लेकर अपने व्यवसाय का विस्तार किया। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत जगत राम ने बैंक से 2 लाख रुपये का सब्सिडीयुक्त व्यक्तिगत ऋण प्राप्त किया। इस राशि से उन्होंने सब्जी व्यवसाय के साथ साथ किराना दुकान भी शुरू कर दिया।

शहरी बेघरों के लिए बना आश्रय स्थल

कांकेर(विश्व परिवार)। दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत शहरी बेघरों के लिए प्रत्येक बड़े नगरीय निकायों में आश्रय स्थल का निर्माण किया जा रहा है। जिसके परिपेक्ष्य में नगर पालिका परिषद कांकेर अंतर्गत भी आश्रय स्थल का निर्माण नया बस स्टेण्ड के समीप किया गया है। जिसका संचालन मार्च 2019 से किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद् कांकेर अंतर्गत निर्मित आश्रय स्थल में कुल 28 बिस्तर की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें 14 पुरुष एवं 14 महिला के ठहरने की व्यवस्था के साथ स्वच्छ पानी, गद्दे, तकिया, चादर, कम्बल, कुलर आदि की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही मनोरंजन के लिए टीवी की व्यवस्था भी की गई है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी की स्थापना किया गया है। आश्रय स्थल पर कोई भी आश्रयहीन व्यक्ति नि:शुल्क ठहर सकता है एवं अन्य व्यक्ति वहां न्यूनतम शुल्क अदा कर ठहर सकता है। अब तक आश्रय स्थल में कुल 8200 व्यक्ति ठहर चुके हैं। उक्त आश्रय स्थल का लाभ कांकेर एवं अन्य क्षेत्र से आ रहे व्यक्तियों के द्वारा लाभ लिया जा रहा है।

तेलंगाना एवं मध्यप्रदेश की अंग्रेजी शराब जिले में थी खपाने की तैयारी, पुलिस ने तस्करों को दबोचा

आरोपियों के कब्जे से 207 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

बीजापुर(विश्व परिवार)। दिनांक 18/01/2025 को बीजापुर पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम हीरापुर में अवैध अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पकड़ी है। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि स्कूलपारा बासागुड़ा निवासी तिरूपति जंगम के द्वारा हीरापुर निवासी आयतु कारम के घर में अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर रखा गया है। सूचना पर पुलिस अधीक्षक, बीजापुर डॉ. जितेंद्र कुमार यादव के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी आवापल्ली तिलेश्वर यादव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बासागुड़ा निरीक्षक मनोज सिंह के नेतृत्व में थाना बासागुड़ा द्वारा यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी तिरूपति जंगम की निशानदेही पर आयतु कारम के घर में छापेमारी कर तेलंगाना एवं मध्यप्रदेश राज्य के अवैध अंग्रेजी शराब गोवा 116 पेटी (प्रत्येक पेटी में 50 पौवा) व पेटी से खुला हुआ 252 पौवा कुल 1089.360 लीटर मेक डॉवल्स नंबर 1 की 07 पेटी (प्रत्येक पेटी में 48 पौवा) कुल 60.480 लीटर, एवं किंग फिशर बीयर 82 पेटी (प्रत्येक पेटी में 12 बॉटल) कुल 639.600 लीटर जुमला 1789.440 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है । जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख 73 हजार 800 रुपये है। पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी तिरूपति जंगम ने बताया कि गीदम निवासी सुल्तान द्वारा अवैध अंग्रेजी शराब लाकर हीरापुर कारमपारा में आयतु कारम के घर में छोड़ना एवं समय समय पर अन्य जगह ले जाकर बिक्री करना बताया गया। तिरूपति जंगम हीरापुर कारमपारा निवासी आयतु कारम के घर में किराए का कमरा लेकर शराब रखता थाद्य तिरूपति जंगम से शराब रखे जाने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे जाने पर कोई दस्तावेज नही होना बताया गया। जिस पर मौके से उक्त अवैध शराब की वीडियोग्राफी कर गवाहों के समक्ष जप्ती कार्यवाही कर अवैध अंग्रेजी शराब को कब्जे में लिया गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है और अवैध शराब ब्रिकी के मामले में संलिप्त अन्य लोगो के सबंध में आगे की जांच की जा रही है।

ग्राम स्तरीय वन अधिकार महोत्सव उरमापाल में सम्पन्न

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

सुकमा(विश्व परिवार)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 17 जनवरी शुक्रवार को छिंदगढ़ विकासखंड के ग्राम उरमापाल में वन अधिकार महोत्सव बहुत धूमधाम से मनाया गया। इस वर्ष वन अधिकार महोत्सव में विशेष रूप से जंगल को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया जिसमे प्रमुख रूप से जंगल में आग लगने, जंगल में पेड़ों की कटाई, लघु वनोपज तोड़ने, भूमि अतिक्रमण को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय सर्वसम्मति से पारित किया गया। महोत्सव में ग्राम प्रमुख, वन अधिकार समिति, ग्राम सभा अध्यक्ष, वन प्रबंधन समिति, सरपंच, सचिव और जिला प्रशासन से संबंधित अधिकारीगण और ग्रामीण उपस्थित थे। सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्रबंधन समिति उरमापाल द्वारा ग्राम सभा में सर्वसम्मति से 3 नए नियम पारित किए गए जिसकी उद्घोषणा की गई। किसी भी व्यक्ति के द्वारा वनों से पेड़ के काटने पर 5000 रूपये का जुर्माना लगाया जाएगा। वनों से लकड़ी का दोहन करते पाए जाने पर 500 रुपए/व्यक्ति का जुर्माना लगाया जाएगा। इसी प्रकार खनिज संसाधन जैसे रेत, मिट्टी, मुरूम आदि का दोहन करने पर ग्राम निवासी द्वारा 80 रुपए प्रति ट्रिप सेवा शुल्क तथा अन्य ग्राम के निवासी द्वारा दोहन करने पर 350 रुपए प्रति ट्रिप सेवा शुल्क जमा किया जाएगा। महोत्सव में उपस्थित जन समुदाय को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कृषि विभाग के अधिकारियों ने उन्नत खेती और जैविक कृषि के तरीकों की जानकारी दी। पशुधन विकास विभाग ने पशुपालन और संबंधित योजनाओं की जानकारी दी।

करोड़ों के गांजा के साथ ग्यारह तस्कर चढ़े पुलिस के हत्थे

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। पुलिस ने नशे के खिलाफ बडी सफलता हासिल की है. जिले में पहली बार नारकोटिक्स एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है. पुलिस ने बड़ी मात्रा में गांजा के साथ 11 तस्करों गिरफ्तार किया है. इसके साथ ही दो नाबालिगो को भी निरुद्ध किया गया है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और दोनों नाबालिगों को बाल न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया है। सिटी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शशि भूषण पटेल ने बताया कि पुलिस अधीक्षक येदुवेल्ली अक्षय कुमार के निर्देश पर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत और निकाय चुनाव से पहले शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अभियान चलाया जा रहा है. इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि कोण्डागांव कोतवाली क्षेत्र में गांजा की अवैध बिक्री हो रही है. इसके बाद प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस ने छापेमारी करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियो में शिबू चक्रवर्ती, सुरेश बंजारा, पवन कुमार नामदेव, लखेश्वर नेताम, कृष्णा धारगाय, कृष्णा साहू उर्फ खाडू, अमितदास उर्फ मिस्टी, रोहित कोर्राम, रौनक सोनानी, तोमेश देवांगन, और सन्नी चक्रवर्ती शामिल हैं।

व्यापार समाचार

विनिर इंजीनियरिंग लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विनीर इंजीनियरिंग लिमिटेड, एक एकीकृत इंजीनियरिंग समाधान कंपनी जो उद्योगों और अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए विशिष्ट, महत्वपूर्ण और भारी, सटीक-फोर्ज्ड और मशीनी घटकों के निर्माण में लगी हुई है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। आईपीओ में 2 रुपये अंकित मूल्य वाले 53,300,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में नीतेश गुप्ता (प्रवर्तक विक्रयकर्ता शेयरधारक) द्वारा 2 रुपये अंकित मूल्य वाले 53,300,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं। विनीर इंजीनियरिंग लिमिटेड एक एकीकृत इंजीनियरिंग समाधान कंपनी है जो ऊर्जा, रक्षा, एयरोस्पेस, रेलवे, ऊर्जा टर्बाइन, हाइड्रोलिक्स, अर्थमूविंग, हाई-एंड इंजीनियरिंग सहित कई उद्योगों और अनुप्रयोगों के लिए विशेष, महत्वपूर्ण और भारी, सटीक-फोर्ज्ड और मशीनी घटकों के निर्माण में लगी हुई है। ये घटक विभिन्न प्रणालियों और अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे कि बख्तरबंद वाहन, आयुध और गोला-बारूद, लड़ाकू उपकरण, सैन्य हार्डवेयर, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम तेल और गैस प्रणाली, क्रायोजेनिक्स सिस्टम, विमान प्रणोदन प्रणाली, पावर टर्बाइन, गैस टर्बाइन, रेलवे लोकोमोटिव और ब्रेकिंग सिस्टम, परमाणु ऊर्जा अवसंरचना उपकरण, भारी शुल्क उत्खनन मशीनरी, स्पेसफ्रेम, हाइड्रोलिक घटक, पवन टर्बाइन जनरेटर और उच्च दबाव बॉयलर, अन्य। कंपनी मिश्र धातु इस्पात, टाइटेनियम, हेस्टेलॉय, कार्बन स्टील, स्टेनलेस स्टील, डुप्लेक्स स्टील, विशेष स्टील, इनकोनेल, मोनेल और एल्युमीनियम सहित कई धातुओं का उपयोग करके महत्वपूर्ण और भारी परिशुद्धता-फोर्ज्ड और मशीनीकृत घटकों के उत्पादन में माहिर है। कंपनी इन प्रक्रियाओं और परिशुद्धता मशीनिंग का उपयोग करके 20 किलोग्राम से लेकर 6,000 किलोग्राम तक के वजन वाले घटकों का निर्माण करने में सक्षम है। कंपनी की कुल स्थापित क्षमता 38,000 एमटीपीए है, जो तीन विनिर्माण इकाइयों में वितरित है। यूनिट I कर्नाटक के बैंगलोर में स्थित है जबकि यूनिट II और यूनिट III तमिलनाडु के होसुर और कालूकोंडानापल्ली में स्थित हैं। ये इकाइयां सामूहिक रूप से 38,160 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैली हुई हैं। कंपनी के विविध ग्राहक आधार में ऊर्जा, रक्षा, एयरोस्पेस, रेलवे, ऊर्जा टर्बाइन, हाइड्रोलिक्स, अर्थमूविंग, हाई-एंड इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियाँ शामिल हैं, जो भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको, स्पेन, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ट्यूनीशिया, कनाडा जैसे विदेशी देशों में फैली हुई हैं। पिछले 3 वित्तीय वर्षों और 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीनों के दौरान, उन्होंने प्रति वर्ष/अवधि में औसतन 60-70 ग्राहकों के साथ 150 से अधिक विशिष्ट ग्राहकों को सेवा प्रदान की।

पीएनसी-केकेआर 9,000 करोड़ रुपये का सौदा: एनएचएआई से 8 संपत्तियों की मंजूरी, जनवरी के अंत तक दो और की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक को एनएचएआई से बुंदेलखंड और खजुराहो सड़क परियोजनाओं के लिए दो सहायक कंपनियों (एसपीवी) में अपनी 100त्न हिस्सेदारी को केकेआर समर्थित हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को ट्रांसफर करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इसके साथ, पीएनसी-केकेआर सौदा 31 मार्च 2025 तक पूरा होने की राह पर है क्योंकि पीएनसी इंफ्राटेक लेनदेन के लिए शर्तों (सीपी) को पूरा करने की प्रक्रिया में है। सौदे के तहत प्रमुख सीपी में से एक में हाइवे प्राधिकरणों से नियंत्रण अनुमोदन में बदलाव और परियोजनाओं के लिए ऋणदाताओं से अनापत्ति प्रमाण पत्र शामिल थे। पीएनसी ने अब 8 परिसंपत्तियों के लिए एनएचएआई से नियंत्रण में बदलाव की मंजूरी प्राप्त कर ली है, और 2 और परिसंपत्तियों के लिए मंजूरी जनवरी 2025 तक मिलने की उम्मीद है। लगभग सभी ऋणदाताओं से एनओसी भी प्राप्त कर ली गई है।

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म में से एक बनने के लिए की रणनीतिक साझेदारी

लखनऊ: भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल और देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस ने वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफार्मों में से एक बनने और वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस अनूठी साझेदारी में एयरटेल के 370 मिलियन का सक्रिय ग्राहक, 12 लाख से अधिक का विशाल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, तथा बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों का विविध समूह, और 5,000 से अधिक शाखाएं एवं 70,000 क्षेत्रीय एजेंट शामिल है । एयरटेल, बजाज फाइनेंस के खुदरा वित्तीय उत्पाद शुरुआत में अपने एयरटेल थैंक्स ऐप पर, और बाद में अपने स्टोर के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से भी उपलब्ध कराएगा, ताकि ग्राहकों को इस सुविधा का सहज और सुरक्षित अनुभव मिल सके। दोनो कंपनियों की डिजिटल परिसम्पतियों की संयुक्त ताकत एयरटेल और बजाज फाइनेंस को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाएगी। भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और एमडी गोपाल विट्टल ने कहा, एयरटेल और बजाज फाइनेंस, इस देश के दो भरोसेमंद नाम हैं, जो लाखों भारतीयों को वित्तीय जरूरतों के विविध पोर्टफोलियो के साथ सशक्त बनाने का साझा दृष्टिकोण रखते हैं। दोनों कंपनियों की संयुक्त पहुंच, पैमाना और वितरण शक्ति इस साझेदारी की आधारशिला के रूप में काम करेगी और हमें बाजार में सफल होने में मदद करेगी। हम एयरटेल फाइनेंस को कंपनी के लिए एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में विकसित कर रहे हैं और इसमें निवेश तथा इसका विकास करना जारी रखेंगे। आज हम पर एक मिलियन से अधिक ग्राहक अपना भरोसा जता रहे हैं।

अल्काराज धमाकेदार प्रदर्शन के साथ चौथे दौर में

मेलबर्न(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ओपन से शीर्ष 11 में से पांच खिलाड़ियों के बाहर होने के बाद, कार्लोस अल्काराज़ ने शुक्रवार को मेलबर्न के मैदान में आगे बढ़ना जारी रखा। इस पखवाड़े पहली बार रॉड लेवर एरिना में खेलते हुए, स्पैनियार्ड ने टूर्नामेंट का अपना पहला सेट गंवाने के बावजूद नूनो बोर्गेस को 6-2, 6-4, 6-7(3), 6-2 से हराया। अल्काराज़ ने मैच के बाद कहा, मुझे रॉड लेवर की कमी खली। मैं यहां एक बार फिर खेलकर वाकई बहुत खुश हूँ। मैंने यहां अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस दिखाने की कोशिश की। मेरे लिए, हर बार जब मैं इस कोर्ट पर उतरता हूं तो यह मेरे लिए खुशी की बात होती हैज् पिछली बार जब मैंने यहां खेला था तो मैं (2024 के क्वार्टर फ़ाइनल में अलेक्जेंडर ज़ेवरेव से) हार गया था, इसलिए मैं वास्तव में यहां खेलना चाहता था और रॉड लेवर में एक और जीत हासिल करना चाहता था। चार बार में दूसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले अल्काराज़ पुरुष एकल इतिहास में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट में युवाओं का दबदबा रहा है ङ्क जिसमें तीन युवा सितारे शीर्ष 10 विरोधियों को नॉकआउट कर रहे हैं ङ्क 21 वर्षीय अल्काराज़ 2008 में नोवाक जोकोविच (20) के बाद हार्ड-कोर्ट मेजर में सबसे कम उम्र के चैंपियन बन सकते हैं। शुरुआती गेम में ब्रेक ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी बोर्गेस के खिलाफ़ माहौल तैयार कर दिया, जिसमें अल्काराज़ ने शुरू से ही सर्विस पर दबदबा बनाए रखा। इंफोसिस स्टैट्स के अनुसार, अल्काराज़ ने पहले दो सेटों में से प्रत्येक में सर्विस पर सिर्फ़ छह अंक गंवाए, और अपने पहले 11 नेट पॉइंट में से नौ को कन्वर्ट भी किया। बोर्गेस ने तीसरे सेट में प्रतिस्पर्धा जारी रखी, जो 4-3 के मैराथन होल्ड के दौरान जीवंत हो गया, जिसमें उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाए और एक रोमांचक एक्सचेंज जीता जिसमें अल्काराज़ ने बैकहैंड वॉली के लिए बाहर लेट गए। 5-6, 30/40 पर सेट पॉइंट पर मिस्ड रिटर्न का पछतावा करने के बावजूद, बोर्गेस ने टाई-ब्रेक में अनियमित अल्काराज़ के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया और योग्य रूप से तीसरा सेट जीता। तुरंत ही बढ़त को रोकते हुए, अल्काराज़ ने चौथे सेट की शुरुआत करने के लिए दो लव होल्ड के बीच एक ब्रेक लिया। हाइलाइट-रील पॉइंट्स से भरे मैच में, अल्काराज़ ने लॉब को ट्रैक करने के बाद हुकिंग फ़ोरहैंड पासिंग शॉट के साथ महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। फ़िनिश लाइन से गुज़रते हुए, उन्होंने अंतिम सेट में सर्विस पर सिर्फ़ एक पॉइंट खोया। अल्काराज़ ने अपने शानदार टेनिस के बारे में कहा, मैं यहां मेरे मैच देखने वाली पूरी भीड़ को देखकर खुश हूं। ऑस्ट्रेलिया में, दुनिया के दूसरे हिस्से में इस प्यार को महसूस करना एक सौभाग्य की बात है। मैं अलग-अलग तरह के टेनिस, कुछ अलग तरह के शॉट खेलने की कोशिश कर रहा हूं। यही वह चीज़ है जो मुझे टेनिस खेलने में मज़ा देती है, जो मुझे कोर्ट पर मुस्कुराने पर मजबूर करती है और मुझे वास्तव में अच्छा टेनिस दिखाने में मदद करती है और लोगों का मनोरंजन करने की कोशिश करती है, उन्हें खुश करती है।

बैंकों में नॉमिनी नामांकन को लेकर बड़ा अपडेट आरबीआई ने जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में आज भी बैंकों में ऐसे कई खाते है जिनमें नॉमिनी का नामांकन नहीं हुआ है। जिस कारण व्यक्ति की मौत को बाद परिवार के लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जिसकों लेकर अब आरबीआई ने सभी बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को नॉमिनी को लेकर निर्देश दिए हैं। आरबीआई द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, सभी बैंकों की जिम्मेदारी होगी कि वे अपने सभी पुराने और नए ग्राहकों से नामांकन प्रक्रिया पूरी करें। अभी भी बड़ी संख्या में जमा खातों के लिए नॉमिनी उपलब्ध नहीं हैं। जिन लोगों के एफडी या बचत खाते में नॉमिनी नहीं होते, उनके परिवार के सदस्यों को उनकी मृत्यु के बाद उनके अधिकार प्राप्त करने के लिए कानूनी झंझटों का सामना करना पड़ता है। इसलिए सभी लोगों को अपने खाते में नामांकन प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए। आरबीआई द्वारा जारी सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि बैंक और एनबीएफसी अपने सभी ग्राहकों को नामांकन के फायदे समझाएं। इसके साथ ही ग्राहक सेवा समिति को बैंकिंग संस्थाओं में खाताधारकों के नामांकन की स्थिति की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए हैं। बैंकों में नामांकन की प्रगति की रिपोर्ट हर तिमाही में दक्ष पोर्टल पर अपलोड करने के भी निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा बैंकों में खाता खोलने के लिए फॉर्म में भी बदलाव करने को कहा गया है। जिसमें ग्राहकों के लिए नॉमिनी का विकल्प अनिवार्य करने को कहा गया है। बता दें कि किसी भी बैंक खाते या एफडी में नॉमिनी बनाया गया व्यक्ति खाताधारक की मृत्यु के बाद उस खाते में जमा राशि का कानूनी उत्तराधिकारी होता है। खाते में जमा धनराशि आसानी से नॉमिनी को हस्तांतरित हो जाती है। नॉमिनी आपके परिवार का सदस्य होना जरूरी नहीं है, परिवार के सदस्यों के अलावा वह आपका दोस्त या कोई अन्य रिश्तेदार भी हो सकता है।

ऑस्ट्रेलिया ओपन: सबालेंका ने टॉसन को हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

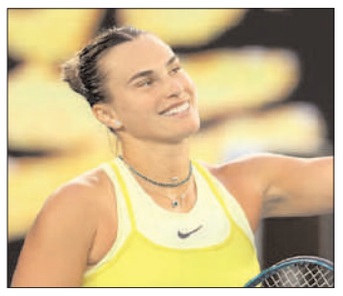

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व की नंबर एक और दो बार की गत विजेता आर्यना सबालेंका ने शुक्रवार को रॉड लेवर एरिना में तीसरे दौर के मैच में डेनमार्क की 42वीं रैंकिंग वाली क्लारा टॉसन को 7-6 (5), 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सबालेंका पहले सेट में 5-3 से पीछे थी, इससे पहले बेलारूसी ने पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1 टॉसन को 2 घंटे और 6 मिनट में हराया, और सिमोना हालेप के बाद से लगातार पांच वर्षों तक ऑस्ट्रेलियन ओपन के राउंड ऑफ़ 16 में जगह बनाने वाली पहली महिला बन गई। हालेप 2018 से 2022 तक ऐसा करने वाली पहली महिला थीं। इसके अलावा, सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपनी 17वीं लगातार मैच जीत दर्ज की, जो इस आयोजन में विक्टोरिया अजारेंका के बाद किसी भी महिला द्वारा सबसे अधिक है, क्योंकि अजारेंका ने 2012 और 2014 के बीच मेलबर्न में लगातार 18 मैच जीते थे। टॉसन ने शुरुआत में नियंत्रण हासिल किया, 5-3 से बढ़त बनाई और पहले सेट के लिए सर्विस की। हालांकि, सबालेंका ने वापसी की और टॉसन की सर्विस पर 6-5 पर चार सेट पॉइंट अर्जित किए। टाईब्रेक में, टॉसन ने 4-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 5-4 की बढ़त बनाई, लेकिन सबालेंका ने शानदार बैकहैंड रिटर्न विनर के साथ जवाब दिया और 6-5 पर पांचवां सेट पॉइंट बनाया। विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी के अंतिम फोरहैंड विनर ने 63 मिनट में एक कठिन सेट को सील कर दिया। दूसरे सेट में सबालेंका ने नियंत्रण हासिल कर लिया, 13 मिनट के सर्विस गेम को पार करते हुए 5-4 की बढ़त हासिल की। मैच के लिए सर्विस करते हुए, उन्हें दो ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन वे दबाव से बचने में सफल रहीं। इसके बाद उन्होंने बैकहैंड विनर के साथ जीत को सील कर दिया।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अगली पीढ़ी के मोबिलिटी समाधानों को किया पेश

रायपुर : जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी ड्राइव.फ्यूचर सोच के साथ भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में दूसरे दिन अपनी नई तकनीकों का प्रदर्शन किया है। तकनीकी नेतृत्व को मजबूत करते हुए, कंपनी ने CASE (कनेक्टेड, ऑटोनोमस, शेयर्ड और इलेक्ट्रिक) तकनीक में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इनोवेशन, स्थिरता और ग्राहक-केंद्रित पहल पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस ब्रांड ने आधुनिक युग के लिए मोबिलिटी को बेहतर बनाने वाले व्यावहारिक समाधानों को प्रस्तुत किया। ड्राइव.फ्यूचर सोच को एक नई ऊंचाई पर ले जाते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (HEVs), प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEVs), बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (BEVs) और आंतरिक दहन इंजन (ICE) मॉडलों सहित विविध पावरट्रेन विकल्पों का प्रदर्शन किया। इसमें अत्याधुनिक बैटरी प्रबंधन प्रणाली वाले इनोवेटिव मॉडल, IMz और IM6, प्रीमियम प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन MG HS, भव्य SUV मॉडल रू कॉमेट BLACKSTORM और लक्ज़री स्त्र7 ट्रॉफी एडिशन शामिल हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सीईओ राजीव चाबा ने कहा, हम भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में CASE तकनीकों में अपनी अग्रणी पहलों को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहित हैं। यह मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है। ड्राइव.फ्यूचर की हमारी दृष्टि उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर मोबिलिटी को स्थायी, जुड़े हुए और ग्राहक-केंद्रित अनुभव में बदलने में निहित है। हम प्रौद्योगिकी जोन और विविध पावरट्रेन शोकेस के माध्यम से व्यावहारिक और स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। यह न केवल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक सुलभ बना रहे हैं ,बल्कि एक हरित, स्मार्ट और अधिक जुड़े भविष्य के साथ ड्राइविंग अनुभव को भी बढ़ा रहे हैं।

भारत दौरे के लिए साकिब महमूद को मिला वीजा

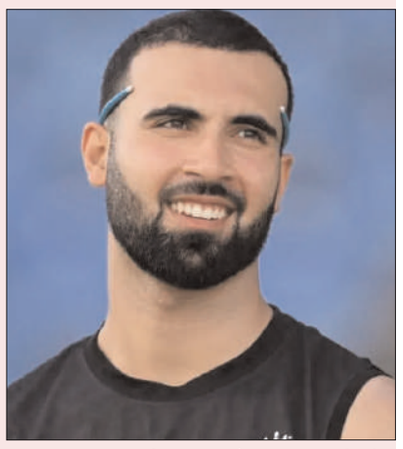

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ साक़िब महमूद को भारत दौरे के लिए अंततः वीज़ा मिल गया है। अब वह शुक्रवार को अपनी टीम के साथ कोलकाता की यात्रा कर सकेंगे, जहां बुधवार को पहला टी 20 होना है। पाकिस्तानी मूल के महमूद के वीज़ा में देरी हो रही थी, जिसके कारण वह यूएई में लगे टीम के ट्रेनिंग कैंप का भी हिस्सा नहीं बन पाए थे। हालांकि टीम के अन्य सदस्यों आदिल राशिद और रेहान अहमद को जल्दी ही वीज़ा मिल गया था। 2019 में जब इंग्लैंड लायंस की टीम भारत के दौरे पर थी, तब भी महमूद को ऐसी ही दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। 2024 में जब लंकाशायर की टीम एक प्री-सीज़न कैंप के लिए भारत में थी, तब भी महमूद भारत नहीं आ पाए थे। वहीं ऑफ़ स्पिनर शोएब बशीर को भी पिछले साल वीज़ा प्रक्रियाओं में देरी के कारण हैदराबाद के पहले टेस्ट से बाहर बैठना पड़ा था। महमूद को इंग्लैंड के तेज़ गेंदबाज़ी सलाहकार जेम्स एंडरसन द्वारा अबु धाबी में चलाये जा रहे तेज़ गेंदबाज़ी कैंप का हिस्सा बनना था, जिसमें जोफ़्रा आर्चर, गस ऐटकिंसन, ब्राइडन कार्स और मार्क वुड हिस्सा ले रहे थे। लेकिन भारतीय दूतावास में पासपोर्ट होने के कारण वह ऐसा नहीं कर पाए।

किसना डायमंड ज्वेलरी ने बांटी 100 से ज्यादा खुशियों की चाबी!

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अग्रणी ज्वेलरी रिटेल चेन में सेएक किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने आज देशभर के 100 भाग्यशालीग्राहकों को मारुति सेलेरियो कारें उपहार में दीं। ये कारें 11 शहरों मेंविजेताओं को एक साथ सौंपी गईं, जो अबकी बार आपके लिए कैंपेन केभव्य समापन का हिस्सा था। इस शानदार पहल में 51,219 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिससे यह न केवल किसना के इतिहास में बल्कि पूरे उद्योग में सबसे बड़ी मुहिमों में से एक बन गई। यह कैंपेन 1 सितंबर, 2024 को शुरू हुआ और 18 जनवरी, 2025 को समाप्त हुआ। इसके तहत, ग्राहकों को 20,000 या उससे अधिक की डायमंड, प्लेटिनम, या सॉलिटेयर ज्वेलरी खरीदने पर और 50,000 या उससे अधिककी गोल्ड ज्वेलरी खरीदने पर कार जीतने का मौका दिया गया था। ग्राहकोंको एक लकी ड्रा में भाग लेने का विकल्प दिया गया, जिसमें वे मारुतिसुजुकी सेलेरियो जीत सकते थे। यह किसना की अपने ग्राहकों के लिएयादगार क्षण बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कैंपेन के ग्रैंड फिनाले के हिस्से के रूप में, किसना ने पूरे भारत से 104 विजेताओं का चयन किया। उत्तर भारत में सबसे अधिक 20,795 ग्राहकों नेभाग लिया, इसके बाद अन्य क्षेत्रों में भी भारी उत्साह देखा गया। विजेताओं को उनकी कारों की चाबियां विशेष आयोजनों में सौंपी गईं, जो दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों में आयोजित किए गए। हरि कृष्णा ग्रुप के फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री घनश्याम ढोलकिया ने कहा, अबकी बार आपके लिए कैंपेन में ज्वेलरी खरीदारों की जबरदस्त भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि हमारे ग्राहकों का किसना पर गहरा भरोसा और स्नेह है। यह कैंपेन खुशी बांटने और हमारे निष्ठावान ग्राहकों को कुछ असाधारण जीतने का अवसर देने की भावना को समर्पित है

ओपीजी मोबिलिटी ने पेश किया फेराटो इलेक्ट्रिक स्कूटर 'डेफी 22'

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम, ओपीजी मोबिलिटी (जिसका पहले नाम ओकाया ईवी के नाम से जाना जाता था) ने आज भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में बहुप्रतीक्षित फेराटो 'डेफी 22' को पेश किया। कंपनी ने भविष्य की एक झलक पेश की, जहां मोबिलिटी को अधिक टिकाऊ, नवोन्मेषी और भारतीय के लिए डिजाइन किया गया है। डेफी 22 के लिए प्री-बुकिंग 17 जनवरी, 2025 से शुरू होगी। फेराटो 'डेफी 22', एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो कॉम्बी डिस्क ब्रेक सिस्टम से सुसज्जित है, जो सिंगल चार्ज में 80 किलोमीटर की रेंज के साथ 70 किलोमीटर प्रति घंटा की प्रभावशाली स्पीड प्रदान करता है, जिसे आईसीएटी द्वारा सत्यापित किया गया है। इसकी मजबूत संरचना में एक नई डिजाइन के साथ अत्यधिक टिकाऊ आईपी67-रेटेड एलएफपी बैटरी और एक वेदर प्रूफ आईपी65-रेटेड चार्जर जोड़ा गया है, जो विभिन्न परिस्थितियों में भरोसेमंद प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है। म्यूजिक फीचर के साथ 7-इंच टच डिस्प्ले स्पीडोमीटर और स्टाइलिश 12 इंच एलॉय व्हील इसके डिजाइन को क्लासी और बोल्ड बनाते हैं। 72वोल्ट 30एएच (w.wkWh) एलएफपी बैटरी के साथ 1200 वॉट पावर वाली मोटर और 2500 वॉट की पीक पावर के साथ, डेफी 22 एक शक्तिशाली और प्रैक्टिकल सवारी प्रदान करता है। इतना ही नहीं, यह डुअल फुट बोर्ड लेवल के साथ राइडर के पोश्चर को बेहतर बनाने के लिए तैयार है। स्टाइलिश डिजाइन के साथ, 'डेफी 22' सात डुअल टोन कलर ऑप्शन में आता है, जो ग्राहकों को अपनी पसंद और व्यक्तित्व के अनुसार रंग चुनने की सुविधा प्रदान करता है। इन्नोवेटिव फीचर्स और मजबूत सुरक्षा मानकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह बिल्कुल नया उत्पाद भारतीय उपभोक्ताओं की विविध जरूरतों को पूरा करने के लिए एक आदर्श विकल्प है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 21 जनवरी 2025

दो सिंचाई योजनाओं के कार्यों के लिए 2.93 करोड़ रूपए स्वीकृत

रायपुर (विसं)। राज्य शासन ने दंतेवाड़ा जिले के अंतगर्त दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 2 करोड़ 93 लाख 26 हजार रूपए स्वीकृत किए गए हैं। स्वीकृत इन योजनाओं में दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड-दंतेवाड़ा के चितालूर जलाशय के जीर्णोद्धार कार्य के लिए एक करोड़ 47 लाख 13 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह से विकासखंड गीदम के टेकनार जलाशय योजना के कार्यों के लिए एक करोड़ 46 लाख 13 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से सिंचाई योजनाओं के कार्यों को कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी परियोजना जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

चि. अंकुर एवं सौ.कां. महिमा का शुभ परिणयोत्सव सानंद सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। महोबा बाजार, रायपुर निवासी वरिष्ठ समाज सेवी श्री संजय जैन-श्रीमती ज्योति जैन के सुपुत्र चि. अंकुर एवं दुर्ग (छ.ग.) निवासी श्री बिमलेश जैन - श्रीमती सुनीता जैन की सुपुत्री सौ.कां. महिमा का शुभ विवाह गत दिवस दिनांक 19 जनवरी 2025 दिन, रविवार को कृषक नगर जोरा रायपुर स्थित प्रतिष्ठा पैलेस मे सानंद संपन्न हुआ। मंगल परिणय में नगर के गणमान्य महानुभावों, सगे संबंधियों, इष्ट मित्रो ने उपस्थित होकर वर-वधु को शुभाशीष प्रदान कर सुखी एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं भेंट की।

सभी अतिथियों का स्वागत जैन परिवार के सदस्यों द्वारा किया गया।

दैनिक विश्व परिवार की ओर से नव दंपति के भावी यशस्वी सुखी-सुदीर्घ जीवन हेतु शुभकामनाएं।

इंदौर इंफोलाईन का राष्ट्रीय स्टील पावर एवं इलेक्ट्रिक एक्सपो का शुभारंभ, नवाचार एवं ऊर्जा क्रांति को बढ़ावा देने स्टील एक्सपो एक बेहतर मंच

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में औद्योगिक क्षेत्र में राबसे प्रतीक्षित आयोजन की शुरुवात हो चुकी है। चार दिवसीय राष्ट्रीय एक्सपो (स्टील एवं पावर) एवं रायपुर इलेक्ट्रिक का एक्सपो शुभारंभ हो चूका है। 19 से 22 जनवरी 2025 तक श्रीराम बिजनेस पार्क, विधानसभा रोड, रायपुर में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। यह एक्सपो उद्योग के रुझानों, नवाचारों, स्वचालन और उन्नति को देखने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए आयोजित किया गया है। इससे रायपुर और छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिकल्स क्षेत्र के कारोबार को बढ़ावा मिलेगा, इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित होगा और रोजगार सृजन होगा। इससे मौजूदा और नए ग्राहकों से मिलने का अवसर भी मिलेगा। इस एक्सपो के आयोजक आर.के. अग्रवाल ने बताया की राष्ट्रीय एक्सपो को एमएसएमई, मंत्रालय भारत सरकार द्वारा भी अनुमोदित किया गया है। यहाँ प्रदर्शनी में विभिन्न औधोगिक उत्पादों की 10000 इकाइया प्रदर्शित की जा रही है, जो शहर और छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी प्रदर्शनी है। प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी आयोजन में भाग ले रहे है और अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे है।

इंदौर इंफोलाईन के प्रबंध निदेशक राजकुमार अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस एक्सपो का आयोजन 19 से 22 जनवरी तक श्रीराम बिजनेस पार्क, विधानसभा रोड, रायपुर में किया जा रहा है। इस एक्सपो का मूल मिशन उद्योग के रुझानों, नवाचारों, स्वचालन एवं उन्नति को एक छत के नीचे देखने के तरीके के साथ क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए है। राष्ट्रीय एक्सपो रायपुर की योजना और तैयारी का परिणाम है। हम एक ऐसा मंच प्रस्तुत करने के लिए उत्साहित है जो उद्योग के पेशेवरों को नवीनतम प्रगति से जुड़ने को फिर से परिभाषित करेगा। विनिर्माण उद्योग 4.0 से लेकर सेवा तक इस एक्सपो में विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी। यह कार्यक्रम उपस्थित लोगों को शैक्षिक सत्रों, व्यावहारिक अनुभव और सार्थक संबंध बनाने के पर्याप्त अवसरों का एक अनूठा मिश्रण प्रदान करेगा। प्रत्येक आगंतुक उद्योगों, डीलर, वितरक, स्टॉकिस्ट के लिए व्यवसाय का अवसर है। एक्सपो को हर वर्ष की भांति उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन रायपुर द्वारा समर्पित किया गया है।

प्रदर्शनी में विभिन्न औधोगिक उत्पादों की 10,000 इकाइया प्रदर्शित की जाएंगी

प्रदर्शनी में विभिन्न औधोगिक उत्पादों की 10,000 इकाइया प्रदर्शित की जाएंगी, जो शहर और छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी प्रदर्शनी होगी। प्रदर्शित इन उत्पादों का सकल मूल्य 50 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हमें अगले एक वर्ष की अवधि में 150 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज करने का विश्वास है। रायपुर, भिलाई, बिलासपुर, दुर्ग मुंबई, नागपुर बैंगलोर, चेन्नई, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद जैसे शहरों से देश भर के 150 से अधिक प्रदर्शक अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं, जैसे औद्योगिक स्वचालन, गियर, मशीन टूल, बेयरिंग, स्विचगीयर, वेल्डिंग उपकरण बिजली उपकरण, हाथ के उपकरण, काटने के उपकरण, वैज्ञानिक उपकरण, प्रयोगशाल उपकरण, प्री इंजीनियरिंग सामग्री, सामग्री हैडलिंग, उत्पाद सुरक्षा उत्पाद रखरखाव उत्पाद और कई अन्य उत्पाद। प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी आयोजन में भाग ले रहे है और अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे है। इस वर्ष हम स्थल पर आपूर्तिकर्ताओं निर्माताओं और डीलरों, वितरकों स्टॉकिस्टो, इंटीग्रेटर्स के बीच बी2बी मीटिंग का आयोजन कर रहे हैं। इससे बाहर में व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। इंजीनियरिंग क्षेत्र के छात्रों के लिए इस एक्सपो में शैक्षणिक अनुभव और नौकरी के अवसर भी मिलेंगे।

डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विवि रायपुर ने जूट मेले का उद्घाटन किया

रायपुर (विश्व परिवार)। गोल्डन फाइबर जूट एक पर्यावरण-अनुकूल और जैव-निम्नीकरणीय फाइबर है। आज, जूट को न केवल एक प्रमुख कपड़ा फाइबर के रूप में देखा जाता है, बल्कि उत्पादों के निर्माण के लिए कच्चे माल के रूप में भी देखा जाता है जो पर्यावरण की रक्षा करता है और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखता है। कपड़ा मंत्रालय, सरकार द्वारा स्थापित। भारत का राष्ट्रीय जूट बोर्ड (एनजेबी) भारत और विदेशों में भारतीय जूट के लिए विभिन्न प्रचार कार्यक्रम चला रहा है। विभिन्न एनजेडीपी योजना और इसके परिचालन दिशानिर्देशों के अधिक विवरण के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट-www.jute.com पर जाएं।

राष्ट्रीय जूट बोर्ड जूट उत्पादकों और कामगारों तथा जूट वस्तुओं के उत्पादक और निर्यातक सहित विभिन्न क्षेत्रों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है।

भारतीय जूट क्षेत्र, जिसमें जूट मिलें और बड़ी संख्या में छोटी और सूक्ष्म इकाइयाँ शामिल हैं। भारत कच्चे जूट और जूट के सामान का दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे बड़ा उत्पादक है। 2023-24 के दौरान जूट विविध उत्पादों का निर्यात बढ़कर 1,374 करोड़ रुपये हो गया है (जो जूट के सामान के कुल निर्यात मूल्य का 49 प्रतिशत है)। 2019-20 के दौरान 963 करोड़ रुपये की तुलना में 2023-24 के दौरान जेडीपी के निर्यात में 43त्न की वृद्धि हुई है। निर्यात टोकरी में प्रमुख जूट विविध उत्पादों में शामिल हैं- जूट फर्श कवरिंग, हाथ और शॉपिंग बैग, दीवार पर लटकने वाले सामान, उपहार लेख, सजावटी कपड़े। 2023-24 के दौरान जूट के सामान का कुल निर्यात 339 मिलियन अमेरिकी डॉलर या 28,039 मिलियन रुपये दर्ज किया गया। (2019-20 की तुलना में 16त्न की वृद्धि जो 24,238 रुपये दर्ज की गई)

जूट ने सेकस से परिष्कार तक एक लंबी यात्रा तय की है। आज कुछ विविध जूट उत्पाद (जेडीपी) पारखी लोगों की भी पसंद बन गए हैं। अपनी प्रचार गतिविधियों के हिस्से के रूप में, एनजेबी जूट मेला का आयोजन कर रहा है जिसमें शामिल हैं देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 20 सूक्ष्म जूट उद्यमियों/ एसएचजी/ एनजीओ/ एमएसएमई जूट उत्पादों की प्रदर्शन सह बिक्री। पश्चिम बंगाल, यूपी, महाराष्ट्र आदि सहित, अपने पर्यावरण-अनुकूल जूट उपभोक्ता उत्पादों जैसे जूट हस्तशिल्प, फैंसी जूट बैग, जूट शॉपिंग बैग, उपहार आइटम, जूट वॉल-हैंगिंग, जूट जूते, जूट आभूषण, जूट फर्श कवरिंग आदि का प्रदर्शन करेंगे। जूट उद्यमियों को नि:शुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। प्रमोशनल जूट मेला, रायपुर सिटी सेंटर, अंबुजा मॉल, विधान सभा रोड में आयोजित किया जा रहा है यह मेला 26 जनवरी 2025 तक चलेगा।

शासकीय विश्रामगृहों में राजनैतिक दलों के सदस्य नहीं ठहर पायेंगे

रायपुर (विश्व परिवार)। नगरीय निकाय/त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन-2025 के लिए कार्यक्रम जारी होने के साथ ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आदर्श आचार संहिता लागू रहने की अवधि में किसी भी राजनैतिक दल के प्रतिनिधि, सार्वजनिक उपक्रमों के पदाधिकारियों आदि को शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विश्रामगृहों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस में चुनाव प्रचार-प्रसार या राजनैतिक उद्देश्य से नहीं ठहराया जायेगा। ऐसे राजनैतिक व्यक्ति इन स्थानों का उपयोग राजनैतिक गतिविधियों के लिए भी नहीं कर सकेंगे। इस बारे मे कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) डॉ गौरव कुमार सिंह ने जरूरी आदेश भी जारी कर दिया है। जारी किए गए आदेश के पात्रता अनुसार स्थान उपलब्ध होने पर उन्हें विश्राम भवनों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस में कमरा उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त पात्रतानुसार ठहरने वाले व्यक्ति से निर्धारित राशि जमा कराकर विधिवत रसीद भी दी जायेगी। विश्राम गृहों में एक रजिस्टर रखा जाएगा जिसमें आगंतुक का नाम, पता, ठहरने का प्रयोजन, ली गई राशि आदि समस्त ब्यौरा अंकित किया जाएगा।

वाहनों का महाकुंभ बना रायपुर का ऑटो एक्सपो

पूर्व अनुमानित लक्ष्य 20 हजार से कहीं अधिक पहुंच जायेगा आंकड़ा

हर दिन औसतन हजार वाहनों की बुकिंग, संडे को 1055 वाहन हुए बुक

रायपुर (विश्व परिवार)। ऑटो एक्सपो में जो औसतन प्रति दिन वाहनों की बिक्री व बुकिंग का ग्राफ बना हुआ है उसे देखकर तो लग रहा है, एक माह की एक्सपो अवधि के दौरान पूर्वअनुमानित लक्ष्य 20 हजार से कहीं अधिक 25 से 30 हजार तक का आंकड़ा छू जाएं तो कोई अतिश्योक्ति नहीं। ऑटो एक्सपो का यह आठवां एडिशन हैं और इससे पहले के किसी भी एक्सपो में कस्टमर का इतना जबर्दस्त रूझान देखने को नहीं मिला था। संडे को पहुंचे लोग इसे वाहनों का महाकुंभ बता रहे थे। सभी प्रकार के व्हीकल्स की खरीदी पर आजीवन रोड टैक्स पर 50 फीसदी का छूट तो दिया जा रहा है, डीलर्स कंपनियां अपनी ओर से भी अलग से आफर कर रही हैं जिससे एक बड़ी बचत का फायदा लेने से लग रहा है कस्टमर चूकना नहीं चाह रहे हैं। वाहन खरीदी का जो भी परपस रहा हो वो सभी वे एक्सपो में तब्दील कर रहे हैं। तभी तो संडे को 1055 वाहनों की बुकिंग हुई और 477 वाहन बिक गए। 23 जनवरी से नए माडलों की लांचिंग भी शुरु हो जायेंगी.कंपनी से वाहन रवाना हो चुके हैं।

रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसियेशन (राडा) के अध्यक्ष श्री रविन्द्र भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, सचिव विवेक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश सिंघानिया बताते हैं कि कोई भी सेग्मेंट ऐसा नहीं होगा जहां जोरदार बिक्री व बुकिंग न हो रही होगी। बता दें कि दिल्ली में भी ऑटो एक्सपो को जबर्दस्त रिस्पांश मिल रहा है, वहां रोजाना नए वाहनो की लांचिंग हो रही है जो आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं, वहां लांच होने के बाद नए मॉडल रायपुर आटो एक्सपो में भी नजर आएंगे लेकिन 23 जनवरी से। साइंस कालेज मैदान में ही अब और ज्यादा विस्तारित जगह पर एक्सपो का फैलाव कर रहे हैं ताकि सुविधाजनक ढंग से वाहनों की डिस्प्ले हो सके, टेस्ट ड्राइव की सुविधा मिल सके और लोगों को आने जाने में भी सहुलियत मिले। यह भी आज कल में पूरा हो जायेगा। चूंकि चारो सेग्मेंट में व्हीकल्स व स्पेयर पार्ट्स के 200 स्टॉल है शामिल है इसलिए बड़ा स्पेश भी उन्हे चाहिए।

पिछले कुछ सालों से ई बाइक व ई कार का चलन भी लोगों में बढ़ा है, ई बाइक और ई कार की भी अच्छी खासी बिक्री यहां पर हो रही है। इसके निर्माता सभी कंपनियों के स्थानीय डीलरों ने बताया कि मनपसंद कलर व डिजाइन में उपलब्ध होने से शो रूम की जगह एक्सपो से खरीदी कर रहे हैं। हालांकि इसमें पहले से ही सब्सिडी व अन्य मानक तय है इसलिए वे उसी हिसाब से बेंचे जा रहे हैं।

चुनाव आचार संहिता में भी 50 फीसदी का छूट रहेगा यथावत

कस्टमर को किसी प्रकार संशय नहीं होना चाहिए, राडा ने स्पष्ट किया है कि चुनाव आचार संहिता के पहले ही एक्सपो का आयोजन प्रारंभ हो चुका है और आजीवन रोड टैक्स पर 50 फीसदी की छूट भी घोषित हो गई हैं इसलिए यह पूरे महीने भर एक्सपो अवधि के दौरान यथावत रहेगा। यह छूट लगातार जारी है।

एक्सपो के स्पांशर हैं : ऑटो एक्सपो में मुख्य स्पांशर हैं एसबीआई और चोला मंडलम, जिनकी अपनी अलग ही गुडविल है। एक्सपो अवधि के दौरान पूरे एक माह तक फाइनेंस कराने वालों के लिए एसबीआई ने पीएफ को शून्य कर रखा है जिससे भी अच्छी बचत कस्टमर को मिल जा रही है। कागजी प्रक्रिया भी उन्होने काफी आसान कर दिया है, जिससे फाइनेंस की चाहत रखने वालों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आ रही है। एसोसिएट स्पांशर हैं एयू स्माल फाइनेंस बैंक, श्रीराम फाइनेंस व बेरर। रोटमेट्रा टेक्निकल लिमिटेड। आउटडोर पार्टनर है देशकर।

सांस्कृतिक संध्या व फूड कोर्ट का ले रहे हैं विजिटर्स मजा : ऑटो एक्सपो में पहुंचने वालों को पूरे पारिवारिक माहौल में फूल एंटरटेनमेंट मिल रहा है। सांस्कृतिक संध्या में लाइव बैंड के साथ और भी प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। फूड कोर्ट का एक अलग डोम बना हुआ है जहां जायकेदार व्यंजन का भी लोग आनंद उठा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ का भार प्रेषण केन्द्र देश में सर्वोत्तम, राज्य पारेषण कंपनी को राष्ट्रीय स्तर पर दो पुरस्कार

रायपुर (विश्व परिवार)। कर्नाटक राज्य के बेलगाम में आयोजित इंडिपेंडेंट पॉवर प्रोड्युसर्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 25 वें रेगुलेटरी एंड पॉलिसी मेकर्स रिट्रीट में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (सीएसपीटीसीएल) को दो महत्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त हुए। जिन्हें राज्य पॉवर कंपनियों के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह व्दारा प्रबंध निदेशक (ट्रांसको) श्री राजेश कुमार शुक्ला को 15 जनवरी को प्रदान किया गया।

छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री सुबोध कुमार सिंह ने इस उपलब्धि के लिये पारेषण कंपनी के समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई दी है। भारत के राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों को मिलाकर कुल 35 राज्य भार प्रेषण केन्द्रों में से छत्तीसगढ़ के राज्य भार प्रेषण केन्द्र को आउटस्टेण्डिंग एचीवमेन्ट एवार्ड एवं द्वितीय इजीएस्ट एक्सेस टू ओपन एक्सेस संवर्ग में फर्स्ट रनर-अप का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

इस पुरस्कार हेतु निर्धारित प्रपत्र में पिछले 5 वर्षों के ओपन एक्सेस आवेदनों की स्वीकृति से संबंधित डाटा जैसे कि कुल प्राप्त, स्वीकृत, निरस्त, लंबित एवं प्रकिया समय की जानकारी मांगी गई थी। इसके अतिरिक्त कुछ अन्य बिन्दुओं जैसे एसएलडीसी प्रशासन एवं स्वशासन के वित्तीय लेखा-जोखा, 5 वर्षों के केपेक्स (CAPEX) प्लान, स्काडा संचार माध्यम आदि की जानकारी भी उपरोक्त प्रपत्र में चाही गई थी।

केन्द्रीय विद्युत नियामक आयोग के अधिसूचना जारी होने के तुरंत बाद, पिछले 3 वर्षों से छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र द्वारा नेशनल ओपन एक्सेस रजिस्ट्री (NOAR) पोर्टल के माध्यम से इन्टर स्टेट ओपन एक्सेस प्रोसीजर अपनाई गई है जिसके तहत अन्तराज्यीय ओपन एक्सेस पंजीकृत आवेदनों की स्वीकृति प्रक्रिया विभिन्न स्तरों जैसे एसएलडीसी, आरएलडीसी, एनएलडीसी में स्थिति पारदर्शिता पूर्वक प्रदर्शित की जाती है। इस समारोह में देश के केन्द्रीय एवं विभिन्न राज्य विद्युत नियामक आयोगों तथा विभिन्न केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों जैसे कि केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एपटेल, सीईआरसी, भार प्रेषण केन्द्रों एवं राज्य उपक्रमों के साथ ही विभिन्न निजी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ राज्य भार प्रेषण केन्द्र को यह उपलब्धि श्री आरके शुक्ला, प्रबंध निदेशक पारेषण कंपनी के कुशल मार्गदर्शन के फलस्वरूप प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ राज्य पारेषण कंपनी की ओर से श्री के0 एस0 मनोठिया कार्यपालक निदेशक एवं श्री अभिषेक जैन, अधीक्षण अभियंता राज्य भार प्रेषण केन्द्र द्वारा कर्नाटक राज्य के बेलगाम शहर में आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में यह पुरस्कार ग्रहण किया गया।

कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की दो दिनी कांफ्रेंस का हुआ समापन

रायपुर (विश्व परिवार)। कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया छत्तीसगढ़ चैप्टर द्वारा 2 दिवसीय कांफ्रेंस 18 और 19 जनवरी को होटल बेबीलोन कैपिटल में आयोजित की गई। इसका समापन आज 19 जनवरी को हुआ।

कार्यक्रम में आज बिना वायर के पेसमेकर के ऊपर चर्चा, हृदय के वाल्व की नई जानकारी दिल्ली के डॉ. समीर श्रीवास्तव ने दी। हैदराबाद से आये पद्मश्री डॉ सी वेंकट एस राम ने बीएलडी प्रेशर की नियमितकरण और उसकी उपयोग में दवाओं पर चर्चा की। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. एसएस मोहंती और सेक्रेटरी डॉ निखिल मोतिरामानी ने बताया की इसमें करीब 400 के ऊपर देश विदेश से डॉक्टर ने शिरकत की। प्रदेश से डॉ सतिश सूर्यवंशी, डॉ. स्मित श्रीवास्तव डॉ. दिलीप रतनानी डॉ एम पी सामल डॉ. जावेद अली खान डॉ. प्रणय जैन डॉ. मनोज गुप्ता डॉ. स्नेहिल गोस्वामी और आदि डॉक्टर्स शामिल हुए।

इस प्रकार चर्चा और कार्यक्रम से जब कुछ नई नीति और हृदय रोग के आधुनिक उपचार से प्रदेश के लोगों को काफी फायदा प्राप्त होगा।

एमएमआई नारायणा अस्पताल में डॉ. सासपर्धी ने सफलतापूर्वक किया सी1 स्पाइन फ्रैक्चर का जटिल ऑपरेशन

रायपुर (विश्व परिवार)। एमएमआई नारायणा अस्पताल, रायपुर, जो उन्नत स्पाइनल देखभाल में सबसे आगे है, उस अस्पताल ने सी1 स्पाइन फ्रैक्चर के इलाज के लिए एक जटिल सर्जिकल प्रक्रिया के सफल समापन की घोषणा की है। यह अभूतपूर्व सर्जरी न्यूरोसर्जिकल देखभाल में नवाचार और उत्कृष्टता के प्रति सुविधा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

सी1 वेर्टेब्रा, जिसे एटलस भी कहा जाता है, खोपड़ी को सहारा देने और सिर की गति की अनुमति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र में फ्रैक्चर दुर्लभ हैं और अक्सर कठिनाई पैदा करते हैं क्योंकि यह महत्वपूर्ण संरचनाओं जैसे कि वर्टिब्रल आर्टरीज़, रीढ़ की हड्डी और ब्रेन स्टेम के निकट है। इस क्षेत्र में फ्रैक्चर से होने वाली कठिनाई जिसमे, न्यूरोलॉजिकल हानि और मस्तिष्क में रक्त प्रवाह में बाधा शामिल है। इससे रोगी वेंटिलेटर पर पूरी तरह से निर्भर हो सकता है, जिसमें कोई अंग गति (पैरापलेजिया), स्ट्रोक के लक्षण और यहां तक कि मृत्यु भी शामिल हो सकती है। जिससे परेशानी होने का खतरा बड़ जाता है।

डॉ. घनश्याम सासापर्धी के नेतृत्व में हमारी सर्जिकल टीम ने इस चुनौतीपूर्ण चोट का समाधान करने में असाधारण विशेषज्ञता और सटीकता का प्रदर्शन किया। सी1-सी2 फिक्सेशन प्रक्रिया, सी1 फ्रैक्चर के स्थिरीकरण के लिए की गई थी, इसमें रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सेहत की पुर्नप्राप्ति को बढ़ावा देने के लिए उन्नत इमेजिंग, माइक्रोस्कोप और कस्टम प्रत्यारोपण का उपयोग शामिल था।

पोस्ट-ऑपरेटिव देखभाल में गतिशीलता और कार्य को बहाल करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक अनुरूप पुनर्वास कार्यक्रम शामिल था। 35 वर्षीय पुरुष रोगी पूरी तरह से ठीक हो गया है, स्वस्थ सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा है और प्राप्त सहानुभूतिपूर्ण देखभाल के लिए आभार व्यक्त किया है।

स्थानीय स्तर पर इस तरह के उन्नत उपचार विकल्पों तक पहुंच होना जटिल स्पाइनल स्थितियों वाले रोगियों के लिए एक गेम-चेंजर है। न्यूरोलॉजिकल क्षति से बचने और पूर्ण रिकवरी सुनिश्चित करने के लिए सर्जरी द्वारा प्रारंभिक निदान और स्थिरीकरण इन रोगियों में महत्वपूर्ण है, डॉ. घनश्याम सासपर्धी ने कहा। एमएमआई नारायणा अस्पताल स्पाइनल देखभाल में नवाचार के मामले में सबसे आगे है और उन उपचारों का बीड़ा उठाना जारी रखता है जो रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354